हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 210, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 21 जनवरी, 2023 दिन शनिवार | गाजीपुर/वाराणसी

लहुरी काशी में जेपी नड्डा-सीएम योगी ने किया चुनाव शंखनाद

सीएम योगी का विपक्ष पर प्रहार, पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे और गंगा विलास का किया जिक्र

प्रखर गाजीपुर। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ वाराणसी दौरे पर हैं। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए भाजपा ने कमर कस ली है। इसी क्रम में आज राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और सीएम योगी गाजीपुर में चुनाव का शंखनाद किया।

गाजीपुर में गरजे जेपी नड्डा- पवहारी बाबा आश्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने गाजीपुर में पूर्व सैनिकों से संवाद किया। जेपी नड्डा बोले- मेरी आपसे अपील है कि फसली बटेरों से दूर रहें। भारत ना टेररिज्म करता है, ना सहता है। सबको पता है आतंकवाद शब्द कहां से आया है। यूपी की सरकार हीरा (HIRA) है। HIRA का मतलब है-

H- का मतलब हाईवे
I- का मतलब इन्फॉर्मेशन
R- का मतलब रेलवे
A- का मतलब एयरवे

राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा बोले- आपने योगी- मोदी के लिए सही बटन दबाया है। भारत अब ऑटो-मोबाइल इंडस्ट्री में तीसरे स्थान पर आ गया है। भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यस्था बनकर उभरी है। गलत बटन दबाने से माफिया ही आता है।

सीएम योगी ने गाजीपुर के मंच से विपक्ष पर कई हमले किए। अपने संबोधन के

शुरूआत में सीएम ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का स्वागत किया। सीएम ने कहा- डबल इंजन की सरकार ने अपराध को खत्म करने का काम किया है। अपराधियों पर कैसे लगाम लगाई गई इसका जीता-जागता उदाहरण गाजीपुर है। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे ने तो पूरी काया ही बदल दी। पहले गाजीपुर से लखनऊ जाने में सात से आठ घंटे लगते थे, आज ढ़ाई घंटे में पहुंच जाते हैं। आज आपके पास अपना मेडिकल कॉलेज है। प्रधानमंत्री की अनुकंपा से जलमार्ग का विकास करते हुए गंगा विलास का यहां से रवाना किया गया। हर गरीब के पास अपना घर हो। ये सब मोदी जी की वजह से संभव हो पाया है। शासन की योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव का मिला जिसका उदाहरण ये गाजीपुर की धरती बना है। जाति और मजहब की राजनीति कभी किसी का कल्याण नहीं कर सकती। ये उत्तर प्रदेश के विकास में सबसे बड़ा बैरियर था। यूपी की जनता ने इस बैरियर को समझा-जाना और पीएम के आह्वान पर यूपी ने जब अंगड़ाई ली तो इस बैरियर को हटाया और मैं आज गाजीपुर की जनता का आह्वान करने आया हूं। लोकसभा और विधानसभा चुनाव में भले ही हमें यहां सफलता ना मिली हो लेकिन विकास के कार्यों में हमने कोई कमी नहीं रखी है। राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने अपने कार्यक्रम को केंद्रबिंदु बनाया है।

सीएम योगी ने गाजीपुर की जनता से अपील करते हुए कहा- आप भारतीय जनता पार्टी और डबल इंजन की सरकार पर भरोसा कीजिए। सुरक्षा और समृद्धि की गारंटी पीएम मोदी जी के नेतृत्व में, मैं आपको देता हूं।

गाजीपुर पहुंचे जेपी नड्डा और सीएम योगी- सीएम योगी आदित्यनाथ और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा गाजीपुर पहंच गए हैं। प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का हेलीकॉप्टर पुलिस लाइन में उतरा। वहां भाजपा नेताओं ने बुके देकर दोनों का भव्य स्वागत किया। इसके बाद सीएम और राष्ट्रीय अध्यक्ष कुर्था पवहारी बाबा के आश्रम स्थल पर दर्शन पूजन के लिए पहुंचे।

नड्डा और सीएम योगी ने बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए- सीएम योगी और जेपी नड्डा ने शुक्रवार सुबह वाराणसी में बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए। साथ ही काशी कोतवाल बाबा काल भैरव के दरबार में हाजिरी लगाई। बाबा काल भैरव का विधि विधान से पूजन अर्चन और आरती करने के बाद जेपी नड्डा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ मंदिर से बाहर निकले। जेपी नड्डा और योगी आदित्यनाथ ने कुल्हड़ में चाय की चुस्की ली।

प्रधानमंत्री मोदी ने 71000 नियुक्ति पत्र बांटे, बोले भर्ती प्रक्रिया अब ज्यादा कारगर और समयबद्ध हुई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त भर्ती के लिए लगभग 71,000 नियुक्ति पत्र वितरित किया। उन्होंने सरकारी विभागों और संगठनों में नए भर्ती हुए लोगों के साथ बातचीत भी की। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि ये साल 2023 का पहला रोजगार मेला है। इस साल की शुरूआत उज्जवल भविष्य की नई उम्मीदों के साथ हुई है। मैं सभी युवाओं और उनके परिवारों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। आने वाले दिनों में लाखों और परिवारों को सरकारी नौकरी में नियुक्ति मिलने वाली है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार, NDA और भाजपा शासित राज्यों में भी लगातार रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। निरंतर हो रहे ये रोजगार मेले अब हमारी सरकार की पहचान बन गए हैं। ये दिखाता है कि किस तरह हमारी सरकार जो संकल्प लेती है, उसे सिद्ध करके दिखाती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आप सभी ने महसूस किया होगा कि भर्ती प्रक्रिया में व्यापक बदलाव हुआ है। केंद्रीय सेवाओं की भर्ती प्रक्रिया पहले के मुकाबले ज्यादा कारगर और समयबद्ध हुई है। आज आप भर्ती प्रक्रिया में जिस पारदर्शिता और रफ्तार को देख रहे हैं वो सरकार के हर काम में दिख रहा है। उन्होंने कहा कि पारदर्शी तरीके से भर्ती और पदोन्नति युवाओं में भरोसा जगाती है। ये पारदर्शिता बेहतर तरीके से उन्हें प्रतियोगिता में उतरने के लिए प्रेरित करती है। हमारी सरकार इसी दिशा में निरंतर काम कर रही है। पीएम ने कहा कि तेजी से आगे बढ़ते हुए भारत में रोजगार और स्वरोजगार के अवसर लगातार बन रहे हैं। जब विकास तेजी से होने लगता है तब स्वरोजगार के अवसर अनगिनत मात्रा में बढ़ने लगते है। आज स्वरोजगार का क्षेत्र बहुत आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले 8 वर्षों में व्यापक स्तर पर आधारभूत संरचना के विकास से रोजगार के लाखों अवसर बने हैं। आधारभूत संरचना में 100 लाख करोड़ का निवेश रोजगार की अपार संभावनाओं के द्वार खोल रहा है। इससे पहले पीएमओ ने बताया कि रोजगार सृजन को मुख्य प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता पूरी करने की दिशा में यह रोजगार मेला महत्वपूर्ण कदम है। रोजगार मेला रोजगार सृजन में उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा। युवाओं को उनके सशक्तिकरण और राष्ट्रीय विकास में भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करेगा। देश भर से चयनित युवाओं को भारत सरकार के तहत जूनियर इंजीनियर, लोको पायलट, तकनीशियन, निरीक्षक, उप निरीक्षक, कांस्टेबल, स्टेनोग्राफर, जूनियर एकाउंटेंट, ग्रामीण डाक सेवक, आयकर निरीक्षक, शिक्षक, नर्स, डॉक्टर, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी, पीए, एमटीएस जैसे विभिन्न पदों पर तैनाती दी जाएगी।

मुस्लिमों में बहुविवाह, निकाह-हलाला को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती, 5 सदस्यों की बेंच करेगी सुनवाई

नई दिल्ली। मुस्लिम समाज में एक से ज्यादा शादी और निकाह हलाला की प्रथा पर बैन लगाने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट संविधान पीठ के गठन पर राजी हो गया है। मामले में सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों की पीठ का गठन किया जाएगा। हालांकि, सुनवाई की तारीख अभी तय नहीं हुई है। बता दें कि वकील अश्विनी उपाध्याय ने इसको लेकर जनहित याचिका दायर की है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की पीठ ने उनकी याचिका पर ध्यान दिया। उन्होंने माना कि मामले में सुनवाई के लिए पांच जजों की पीठ गठित करने की आवश्यकता है। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा, "पांच जजों की बेंच के सामने अभी कई महत्वपूर्ण मामले लंबित हैं। हम एक बेंच का गठन करेंगे और सुनवाई करेंगे।" पांच जजों की बेंच ने 30 अगस्त को इस मामले में सुनवाई की थी। जस्टिस इंदिरा बनर्जी, हेमंत गुप्ता, सूर्यकांत, एमएम सुंदरेश और सुधांशु धूलिया ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, राष्ट्रीय महिला आयोग और अल्पसंख्यकों के लिए राष्ट्रीय आयोग (एनसीएम) को पक्षकार बनाकर उनकी प्रतिक्रिया मांगी थी। हालांकि, जस्टिस इंदिरा बनर्जी 23 सितंबर और जस्टिस हेमंत गुप्ता इस साल 16 अक्टूबर को रिटायर हो गए। इसी कारण बहुविवाह और निकाह हलाला के खिलाफ दायर 8 याचिकाओं पर सुनवाई के लिए बेंच का पुनर्गठन करना पड़ रहा है।

बहुविवाह और निकाह हलाला को अवैध घोषित करने की मांग- अश्विनी उपाध्याय ने अपनी जनहित याचिका में बहुविवाह और निकाह हलाला को असंवैधानिक और अवैध घोषित करने का निर्देश देने की मांग की है।

पेशाब कांड मामले में एयर इंडिया पर कार्रवाई, DGCA ने लगाया 30 लाख का जुर्माना, 3 माह के लिए पायलट सस्पेंड

नई दिल्ली। एयर इंडिया की फ्लाइट में 26 नवंबर 2022 को हुए पेशाब कांड को लेकर DGCA ने सख्ती से कार्रवाई की है। DGCA ने एयर इंडिया पर 30 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है। DGCA ने पायलट का लाइसेंस भी तीन माह के लिए सस्पेंड कर दिया है। एयर इंडिया के फ्लाइट सर्विसेस निदेशक पर भी 3 लाख का जुमार्ना लगया गया है। 26 नवंबर 2022 को एयर इंडिया के विमान में एक बुजुर्ग महिला यात्री के सामने अश्लील हरकत और पेशाब करने के मामले में आरोपित शंकर मिश्रा को दिल्ली पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपित कई दिनों तक फरार चल रहा था। पुलिस ने आरोपित को बेंगलुरु से 7 जनवरी को गिरफ्तार किया था। शंकर मिश्रा ने नशे में धुत्त होकर महिला के साथ गंदी हरकत की थी। इस मामले को लेकर कई नेताओं की प्रतिक्रिया आई थी। बता दें कि एयर इंडिया ने मामले को लेकर आरोपित मिश्रा पर 4 महीनों के लिए बैन भी लगाया है। शंकर मिश्रा अब 4 महीनों तक एयर इंडिया की फ्लाइट में सफर नहीं कर पाएगा। इस मामले के सामने

आने के बाद कई नेताओं की ओर से प्रतिक्रियाएं आई थी। सांसद प्रियंका चतुवेर्दी ने कहा था कि यह एक बहुत ही घटिया हरकत है। साथ ही उन्होंने कहा, "घटनाओं का एक पूरा क्रम दिखाता है कि महिला, जो दावा कर रही है उसमें सच्चाई है।"

देवरिया में भीषण हादसा : लोगों को रौंदते हुए मकान से टकराया तेज रफ्तार ट्रेलर, 3 की मौत

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में शुक्रवार की सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। मदनपुर थाना क्षेत्र के रुद्रपुर-बरहज मार्ग पर बरांव चौराहे के पास एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने तीन व्यक्तियों को रौंद दिया। जिससे सभी की मौत हो गई। वहीं, दुर्घटना में ट्रेलर चालक भी घायल हो गया है। जिसका उपचार मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गया। सूचना पर पुलिस टीम के साथ एसपी संकल्प शर्मा मौके पर पहुंचे। हादसे से नाराज लोगों के क्रोध को देखते हुए एसडीएम व सीओ के नेतृत्व में कई थानों की पुलिस तैनात है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देवरिया जिले के मदनपुर क्षेत्र के बरांव चौराहे पर ट्रेलर दुर्घटना में मारे गए तीन लोगों के स्वजन को मुख्यमंत्री राहत कोष से दो- दो लाख रुपए देने की घोषणा की है। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुर्घटना को लेकर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवार को मुख्यमंत्री राहत कोष से दो- दो लाख रुपए देने की घोषणा की है। शुक्रवार की सुबह पत्थर लेकर ट्रेलर बरहज की तरफ से रुद्रपुर की तरफ जा रहा था। बरांव चौराहे के समीप साइकिल से जा रहे बहसुआं के रहने वाले 51 वर्षीय पारस पांडेय को टक्कर मार दिया। इसके बाद तेज रफ्तार ट्रेलर अनियंत्रित होकर शराब भट्ठी के पास आग ताप रहे समोगर के रहने वाले 45 वर्षीय सुनील और बहसुआ के रहने वाले बुजुर्ग गौरी को रौंद दिया। अलाव ताप रहे कई लोगों ने भाग कर अपनी जान बचाई। इसके बाद ट्रेलर एक मकान से जा टकराया। ट्रेलर की टक्कर से तेज आवाज सुन आसपास के लोग घरों से बाहर आ गए। घायल सुनील और गौरी की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि पारस पांडेय ने मेडिकल कॉलेज में दम तोड़ दिया। घटना में घायल ट्रेलर चालक का मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है।

सपा के पूर्व विधायक उल्ला के विवादित बोल कहा- बुर्के पर पाबंदी लगाने वाले को नंगा करके घुमाओ

अलीगढ़। मुरादाबाद के हिंदू कालेज में बुर्का पर प्रतिबंध लगाने पर पूर्व विधायक जमीर उल्ला ने विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि बुर्का पर जो पाबंदी लगाए उसे नंगा करके घुमाया जाए। उससे पता चलेगा कि बेपर्दिगी क्या होती है? गांवों में भी महिलाएं घूंघट पहनकर निकलती हैं। जो जैसा चाहे उसे वैसा पहने। इस पर कोई ड्रेस कोड लागू नहीं होना चाहिए। पहले भी परंपरागत पहनावे पर ही महिलाएं आगे बढ़ी हैं और उन्होंने नाम रोशन किया है। भाजपा नेता रूबिया आसिफ ने कहा कि पूर्व विधायक हाजी जमीरउल्ला को ऐसा बयान शोभा नहीं देता। उन्हें बयान ऐसा देना चाहिए जो हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल हो। बड़े बुर्का पर स्कूल कालेज में प्रतिबंध होना चाहिए। स्कूल कालेज में बुर्का पहनने से हिंदू मुस्लिम एकता टूटती है। इससे पहचान होती है कि कौन हिंदू है और कौन मुसलमान है? स्कूल ड्रेस लागू होनी चाहिए। मुरादाबाद के हिंदू कालेज में यूनिफार्म में आना अनिवार्य कर दिया गया है। सर्दियों के अवकाश के बाद विद्यालय खुलने के साथ ही इस आदेश का अनुपालन कराए जाने पर जोर दिया जा रहा है। विद्यार्थियों को लगातार टोका-टाकी के बावजूद बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं बिना ड्रेस के ही कालेज पहुंच रहे थे। इसके चलते सोमवार से बिना यूनिफार्म के कालेज आने वाले छात्र-छात्राओं के महाविद्यालय में प्रवेश पर रोक लगा दी गई। छात्राएं बुर्का पहनकर बुधवार को कालेज पहुंच गईं। गेट पर उपस्थित नियंता दल के सदस्य ड्रेस पहनकर आने वाले छात्र-छात्राओं को ही कालेज में प्रवेश दे रहे थे। जब उन्होंने बुर्का पहनकर कालेज पहुंचीं छात्राओं से ड्रेस में आने के लिए कहा, तो वह विरोध करने लगीं। इस दौरान महिला प्रोफेसर ने उनसे बिना बुर्का के केवल ड्रेस में आने के लिए कहा, तो वह उनसे बहस करने लगीं। इसके बाद धरना प्रदर्शन कर हंगामा भी किया था।

खड़गे ने मोदी पर साधा निशाना, बोले- 30 लाख रिक्त पदों के लिए 71 हजार नियुक्ति पत्र काफी कम

नई दिल्ली। शुक्रवार को कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर रोजगार मेले को लेकर निशाना साधा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा युवाओं को बांटे गए 71,000 नियुक्ति पत्र बहुत कम हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि वे जानना चाहते हैं कि 16 करोड़ नौकरियां कहां हैं, जिन्हें आठ साल में देने का वादा किया गया था। साथ ही कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री को हर साल दो करोड़ नौकरियां देने के वादे की याद दिलाते हुए कहा कि सरकारी विभागों में 30 लाख पद अभी भी खाली पड़े हैं। खड़गे ने एक ट्वीट में कहा, "नरेंद्र मोदी जी, सरकारी विभागों में 30 लाख पद खाली पड़े हैं। आज आप जो 71,000 भर्ती पत्र वितरित कर रहे हैं, वे बहुत कम हैं। रिक्त पदों को भरने की

प्रक्रिया जारी है। आपने हर साल 2 करोड़ नौकरियां देने का वादा किया था। युवाओं को बताएं - पिछले आठ वर्षों में 16 करोड़ नौकरियां कहां हैं।" प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 10 लाख कर्मियों के लिए भर्ती अभियान 'रोजगार मेला' के तहत आज करीब 71,000 युवाओं को नियुक्ति पत्र दिया। पीएम नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम की शुरूआत में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सरकारी विभागों और संगठनों में नए भर्ती किए गए लोगों से बातचीत की। उन्होंने कहा, "निरंतर 'रोजगार मेला' अभ्यास हमारी सरकार की पहचान बन गया है और यह साबित करता है कि हम जो वादा करते हैं उसे पूरा भी करते हैं। आपको बता दें, 'रोजगार मेले' की शुरूआत पिछले साल अक्टूबर में की गई थी। इस दौरान 10 लाख लोगों की भर्ती की गई थी। पहले रोजगार मेले में कुल 45 मंत्रियों ने हिस्सा लिया था जिसमें धर्मेंद्र प्रधान, पीयूष गोयल, हरदीप पुरी, अनुराग ठाकुर और अन्य वरिष्ठ मंत्री शामिल थे। जानकारी के मुताबिक रक्षा मंत्रालय, रेल मंत्रालय, गृह मंत्रालय, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, डाक विभाग, सीबीआई, सीमा शुल्क, बैंकिंग और अलग-अलग सुरक्षा बलों में भर्तियां की जाएंगी। भारत सरकार के तहत जूनियर इंजीनियर, नर्स, शिक्षक, डॉक्टर, पीए, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी जैसे अलग-अलग पदों पर तैनाती दी जाएगी।

भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष ने इस्तीफे से किया इनकार, बोले- दोषी बनकर इस्तीफा नहीं दूंगा

गोंडा। यौन शोषण के आरोपों से घिरे भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने इस्तीफा देने से इनकार कर दिया है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि मैं हर तरह की जांच के लिए तैयार हूं। दोषी बनकर इस्तीफा नहीं दूंगा। सिंह शुक्रवार को गोंडा के नंदिनी नगर स्थित आवास पर अपने नजदीकी लोगों से विचार विमर्श कर बाहर निकल गए हैं। विवादों के बाद गुरुवार की देर रात अपने पैतृक गांव विश्वनोहपुर पहुंचे सांसद बृजभूषण शरण सिंह शुक्रवार की सुबह नंदिनी नगर पहुंचे। उन्होंने देश भर से आए पहलवानों से मुलाकात की। नंदिनी नगर में शनिवार से नेशनल चैंपियनशिप प्रतियोगिता है। उसकी तैयारी की जानकारी ली। उसी समय मौके पर पहुंचे पत्रकारों के सवालों का जवाब भी दिया। सिंह ने कहा कि अभी ज्यादा कुछ नहीं कर सकता। इस्तीफा देने पर कहा कि मुझे इस्तीफा देने के लिए नहीं कहा गया है, 24 घंटे में जवाब देने को कहा गया है। जवाब भेज दूंगा। पहलवानों के विरोध पर स्पष्ट किया कि उन्होंने सभी पहलवानों को अवसर देने के लिए प्रतियोगिताओं का सिलसिला शुरू किया है। जो कुछ लोगों को रास नहीं आ रही है। नंदिनी नगर में नेशनल चैंपियनशिप पर कहा कि विवादों के कारण इसे रद्द नहीं कर सकते क्योंकि देश भर से पहलवान आए हैं। उनका नुकसान होगा साथ ही कहा कि मैं विदेश नहीं भागूंगा, 23 जनवरी तक तो नंदिनी नगर में ही हूं। उन्होंने कहा कि मामले पर सही समय पर जवाब देंगे। स्पष्ट किया कि आरोप निराधार है किसी भी एजेंसी से जांच हो जाए। उधर, दिल्ली में खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने 10.30 बजे पहलवानों से मिलने के कार्यक्रम को आगे बढ़ा दिया है। नवाबगंज के बिश्नोहरपुर गांव में बृजभूषण शरण सिंह की सुरक्षा में उनके आवास पर जिले के पांच थानों की पुलिस को तैनात किया गया है उनके आवास पर समर्थकों का भी जमावड़ा लग गया है।

संपादकीय

भ्रामक ज्ञान

उन पर भ्रामक सूचनाएं हो सकती हैं। हालांकि अदालत ने यह बात कानूनी मामलों के मद्देनजर कही और न्यायिक अधिकारियों को ऐसे स्रोतों के उपयोग को लेकर आगाह किया है, पर इसे व्यापक संदर्भ में लेने की जरूरत है। आजकल तथ्यों के लिए विकिपीडिया जैसे मंचों पर अध्येताओं, व्यावसायिक गतिविधियों, शैक्षणिक कार्यक्रमों की निर्भरता लगातार बढ़ती गई है। ऐसे में अगर यह मंच इतना गैर-भरोसेमंद माना जा रहा है, तो यह गंभीर बात है। बहुत सारे विद्यार्थी ऐसे मंचों के सहारे विभिन्न परीक्षाओं की तैयारी करते देखे जाते हैं। मगर इस हकीकत से मुंह नहीं फेरा जा सकता कि विकिपीडिया पर बहुत सारे तथ्य गलत या भ्रामक पाए जाते हैं। इसकी एक वजह स्पष्ट है कि इस मंच ने संपादन की सुविधा खुली छोड़ रखी है। कोई भी वहां जाकर तथ्यों को सुधार सकता है। तथ्यों में उलट-फेर कर सकता है। बहुत पहले इसके कई बड़े उदाहरण देखने को मिल चुके हैं। गांधीजी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल जैसी शख्सियतों के जीवन से जुड़े अनेक भ्रामक तथ्य उन पर परोसे गए हैं। एक सामान्य अध्येता ऐसे तथ्यों को पकड़ नहीं पाता और उसके मन में कई तरह के दुराग्रह पनप सकते हैं। खासकर कानूनी मामलों में अगर विकिपीडिया जैसे मंचों पर गलत और भ्रामक तथ्य परोसे जाते हैं और उनका उपयोग किसी मामले को सुलझाने के लिए किया जाता है, तो उससे आने वाले समय के लिए गलत नजीर भी बनती है। इसलिए कानून की अधिकृत पुस्तकें ही इस मामले में प्रामाणिक मानी जानी चाहिए। लेकिन आज जिस तरह युवा पीढ़ी पढ़ाई-लिखाई को लेकर इंटरनेट पर निर्भर होती गई है। वह अपनी हर जिज्ञासा को लेकर तुरंत इंटरनेट खंगालना शुरू कर देती है, खासकर विकिपीडिया जैसे ज्ञानकोश पर आंख मूंद कर भरोसा कर लेती है, उसे खतरनाक नतीजे भी भुगतने पड़ सकते हैं। उस पर भरोसा करके अगर उसने किसी सवाल का गलत जवाब दे दिया, जो अधिकृत पुस्तक में छपे तथ्य से मेल नहीं खाता, तो उसे नुकसान हो सकता है। जिन प्रतियोगी परीक्षाओं में ऋणात्मक मूल्यांकन की व्यवस्था है, उनमें भारी नुकसान झेलना पड़ सकता है। इस तरह सर्वोच्च न्यायालय की ताजा टिप्पणी को गंभीरता से लेने की जरूरत है। यह सही है कि प्रामाणिक पुस्तकों का विकल्प दूसरा कोई माध्यम नहीं हो सकता, पर पिछले कुछ सालों में जिस तरह इंटरनेट एक सशक्त शिक्षा माध्यम के रूप में उभरा है, उसमें ज्ञान की दुनिया का खासा विस्तार हुआ है। पीडीएफ रूप में और किंडल आदि पर पुस्तकें पढ़ने की सुविधा उपलब्ध है। तमाम शैक्षणिक संस्थान अपनी पाठ्य और सहायक पुस्तकें इंटरनेट पर डालते हैं। ई-पाठशाला जैसी व्यवस्थाएं हैं। मगर इसके समांतर इंटरनेट पर बहुत सारे ऐसे मंच सक्रिय हैं, जो बड़े पाठक समुदाय को आकर्षित करने और लाभ कमाने के लोभ में चल रहे हैं। उन पर परोसी जाने वाली बहुत सारी सामग्री अपुष्ट और अप्रामाणिक है। इसे रोकने की जरूरत लंबे समय से रेखांकित की जा रही है। किसी भी माध्यम से गलत तथ्य और भ्रामक जानकारियां उपलब्ध कराना एक प्रकार का अपराध है। मगर इसके लिए कोई कड़ी कार्रवाई न होने की वजह से ऐसे अधकचरे मंच खूब फल-फूल रहे हैं। सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी के बाद यह बात रेखांकित हुई है कि ऐसे मंचों, सूचना के स्रोतों पर नजर रखने और उन्हें अनुशासित बनाने के लिए एक नियामक तंत्र होना ही चाहिए।

है अलग अंदाज !

जम कर राजनीति ।
हो रही इस बार ।।
मामला कुछ और है ।
पर रंग अलग प्रकार ।।
पल पल घटनाक्रम का ।
है अलग अंदाज ।।
हो सकता है शायद ।
और भी कुछ राज ।।
है जो भी कहानी ।
मिल जाए छुटकारा ।।
मिले उनको मदद ।
जो हैं बेसहारा ।।
होंगी जो भी बातें ।
आएंगी निकल कर ।।
दोनो पक्ष लेकिन ।
खड़ा हुआ है डट कर ।।

–कृष्णेन्द्र राय

परिसर के प्रसार से बेहतरी की उम्मीद

प्रतिभाशाली प्रोफेसरों, शोधकताओं और छात्रों को आकर्षित करने हेतु विदेशी विश्वविद्यालय भारत में मौजूद विश्वविद्यालयों के साथ स्वस्थ होड़ करेंगे। उनके साथ उद्योग परियोजनाओं, प्रतिभाशाली छात्रों और शिक्षकों के लिए प्रभावी ढंग से प्रतिस्पर्धा हेतु भारतीय विश्वविद्यालय अपने स्तर में सुधार को प्रेरित होंगे। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सिफारिशों के अनुसार, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने भारत में उच्च शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण की दिशा में काम शुरू कर दिया है। अब विदेशी विश्वविद्यालय भारत में अपने परिसर खोल पाएंगे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने भारत में विदेशी संस्थानों की स्थापना और संचालन के लिए भारत में विदेशी उच्च शिक्षण संस्थानों के परिसर की स्थापना और संचालन-2023 नामक मसविदा जारी किया है।

यह विदेशी विश्वविद्यालयों को प्रवेश प्रक्रिया, शुल्क संरचना, शिक्षकों की नियुक्ति और पारिश्रमिक तय करने और अर्जित आय को स्वदेश भेजने की स्वायत्तता प्रदान करता है। यह भी स्पष्ट है कि ये विश्वविद्यालय पूर्णकालिक कार्यक्रम ही शुरू कर सकेंगे। इस योजना के लिए सिर्फ वही विदेशी संस्थान पात्र हैं, जिन्होंने समग्र या विषयवार वैश्विक रैंकिंग के शीर्ष पांच सौ में अपनी जगह बनाई हो या अपने देश में एक प्रतिष्ठित संस्थान के रूप में मान्य हों। हालांकि, नियमन में किन मानदंडों को अंतिम रूप से शामिल किया जाएगा, इसकी अधिसूचना सभी हितधारकों की प्रतिक्रिया के बाद इस महीने की समाप्ति तक जारी कर दी जाएगी। यह निर्णय विदेशी संस्थानों को स्थानीय साझेदारों के बिना भी अपने परिसर स्थापित करने हेतु प्रोत्साहित करेगा। इससे भारतीय शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ेगी और छात्रों के भारत छोड़कर विदेश जाने में भी काफी कमी आएगी। भारतीय छात्रों को कम खर्चे पर विदेशी डिग्री मिल पाएगी और भारत अध्ययन और शोध के एक किफायती और आकर्षक केंद्र के रूप में भी स्थापित हो सकेगा।

गौरतलब है कि विदेशी संस्थानों को लाने के ऐसे प्रयास पहले भी हो चुके हैं। पहली बार आर्थिक उदारीकरण के प्रारंभिक चरण में वर्ष 1995 में एक विधेयक लाया गया था। इसी प्रकार 2007 में यूपीए सरकार के समय भी यह विचार चर्चा में आया। मगर ये दोनों प्रयास गठबंधन की विवशताओं और वामदलों के दबाव के कारण सिरे नहीं चढ़ सके। विदेशी विश्वविद्यालयों के भारत में आने के तमाम कारकों में से सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण भारत की विशाल छात्र संख्या है। भारतीय छात्रों के बीच अंतरराष्ट्रीय शिक्षा की भारी मांग है। केवल 2022 में ही, करीब साढ़े चार लाख भारतीय छात्र उच्च शिक्षा के लिए विदेश गए। इस तरह हर साल हमारे देश का लगभग अठाईस से तीस अरब अमेरिकी डालर बाहर जा रहा है। अनुमान है कि 2024 तक, अठारह लाख छात्र विदेश जाएंगे और लगभग 6.4 खरब रुपए खर्च करेंगे, जो कि भारत के सकल घरेलू उत्पाद का 2.7 प्रतिशत है। अगर यही रुझान जारी रहा, तो इसका सीधा असर भारतीय वित्तीय और मानव पूंजी पर चिंताजनक दबाव के रूप में पड़ेगा। विदेशों में अध्ययन के लिए गए छात्र अक्सर वहीं काम करने का विकल्प भी चुनते हैं, जो कि प्रतिभा पलायन को बढ़ाता है।

आंकड़ों के अनुसार, 2022 के पहले तीन महीनों में, एक लाख तैंतीस हजार एक सौ पैंतीस छात्रों ने अकादमिक गतिविधियों के लिए भारत छोड़ा, जबकि 2020 में करीब दो लाख साठ हजार और 2021 में करीब साढ़े चार लाख भारतीयों ने विदेश में शिक्षा ग्रहण की, जो एक वर्ष में ही 41 फीसद की वृद्धि दर्शाता है। भारतीय छात्रों के अलावा उपमहाद्वीप और अन्य विकासशील देशों के छात्र भी इन संस्थानों में शिक्षा ग्रहण कर सकते हैं, जो कि बहु-संस्कृतिवाद के साथ-साथ अन्य देशों के साथ भारत को मजबूत संबंध स्थापित करने में मदद करेगा। इस प्रकार, भारतीय अर्थव्यवस्था में विदेशी पूंजी प्रवाह बढ़ेगा। छोटे-मोटे व्यवसाइयों और कारीगरों के लिए बहुत सारे रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। उनके संचालन के लिए बहुत-से लोगों की आवश्यकता होगी। साथ ही, विदेशी विश्वविद्यालय प्रतिभाशाली प्राध्यापकों और शोधकताओं को बेहतर वातावरण में काम करने का अवसर प्रदान करते हुए देश में अनुसंधान और विकास को प्रोत्साहित करेंगे।

भारत में एक हजार से अधिक विश्वविद्यालय और बयालीस हजार से अधिक महाविद्यालय हैं। विश्व के सबसे बड़े उच्च शिक्षा तंत्रों में से एक होने के बावजूद, उच्च शिक्षा में भारत का सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) सिर्फ 27.1 फीसद है, जो कि विश्व में सबसे कम है। ऐसे कई क्षेत्र हैं, जहां वर्तमान भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली में सुधार की आवश्यकता है। मसलन, हमारा कोई भी विश्वविद्यालय क्यूएस रैंकिंग में शीर्ष सौ में शामिल नहीं है। भारतीय अकादमिक संस्थानों का ध्यान मुख्य रूप से शिक्षण पर होता है। इस कारण अनुसंधान और विकास की अनदेखी कर दी जाती है। कर्मचारियों की कमी, कम संसाधन, छात्रों का बीच में पढ़ाई छोड़ना और संस्थानों का राजनीतिकरण जैसी चुनौतियां भारतीय अकादमिक संस्थाओं को अपना मूल्यवर्द्धन करने से रोकती हैं। इसलिए उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सर्वोत्तम कार्य-संस्कृति के माध्यम से शैक्षणिक संप्रभुता, न्यूनतम शासन, दूरदर्शी प्रबंधन, बेहतर संकाय, उद्योगों के साथ संबंध और छात्रों की अकादमिक सक्रियता के जरिए भारत को आगे बढ़ाने हेतु विदेशी संस्थानों का स्वागत किया जाना चाहिए। करिअर परामर्श और रोजगारपरकता एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें भारतीय संस्थान अपने विदेशी समकक्षों से बहुत पीछे हैं। मसलन, हमारा पाठ्यक्रम उन लोगों से चचाओं पर आधारित नहीं होता है, जो अंततः हमारे छात्रों को रोजगार देते हैं या अपने यहां काम पर रखते हैं। वहीं दूसरी ओर, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त शैक्षणिक संस्थान भविष्य की संभावनाओं को समझने के लिए लगातार व्यापार, उद्योग और सरकार के साथ जुड़े रहते हैं।

नौकरियों की प्रकृति और कर्मचारियों की मांगों में तेजी से बदलाव हो रहा है, जो सीधे-सीधे शिक्षा प्रदाताओं को यह जिम्मेदारी देता है कि वे इस बदलाव का अनुमान लगाएं और छात्रों को इसके अनुरूप तैयार करें। विदेशी विश्वविद्यालयों ने इस कला में महारत हासिल की है। विदेशी संस्थानों के आने की वजह से हमारे देश में बहु-सांस्कृतिक वातावरण में सीखने के पारिस्थितिक तंत्र का निर्माण होगा, जिसका सीधा प्रभाव छात्रों के दृष्टिकोण पर भी पड़ेगा।

भारत में विदेशी विश्वविद्यालयों के परिसर खुलने से उच्च शिक्षा क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा पैदा होगी। प्रतिभाशाली प्रोफेसर, शोधकताओं और छात्रों को आकर्षित करने हेतु विदेशी विश्वविद्यालय भारत में मौजूद विश्वविद्यालयों के साथ स्वस्थ होड़ करेंगे। उनके साथ उद्योग परियोजनाओं, प्रतिभाशाली छात्रों और शिक्षकों के लिए प्रभावी ढंग से प्रतिस्पर्धा हेतु भारतीय विश्वविद्यालय अपने स्तर में सुधार को प्रेरित होंगे। इसलिए अपेक्षा की जा रही है कि विदेशी विश्वविद्यालय भारतीय छात्रों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने और भारत की आबादी को मानव संसाधन में परिवर्तित करने में भी सहायता प्रदान करेंगे। यह सब तभी संभव है, जब भारत प्रतिष्ठित वैश्विक संस्थानों को परिसर स्थापित करने हेतु आकर्षित कर सके। जब तक कि उन्हें समान अवसर और सुविधाओं का विश्वास नहीं दिलाया जाएगा, तब तक प्रतिष्ठित विदेशी विश्वविद्यालय आकर्षित नहीं होंगे। अतीत में ऐसी कई पहलें हुई हैं, जिनके वांछित परिणाम प्राप्त नहीं हुए हैं।

अहंकार के बजाय

दरअसल, कई बार जिसे हम महत्त्वहीन मान लेते हैं, वे ही कई बार हमें ज्ञान गंगा के ऐसे मोती दे देते हैं कि हम धन्य हो जाते है। अब ये संदेश पढ़ते हुए वैसे तमाम डाक्टरों की याद आना लाजिमी है, जिन्हें डाक्टर बनाने में मेंढकों की तमाम पीढ़ियां खप गईं। डाक्टर बनाने में जीवन गंवाने वाले मेंढकों का योगदान रहा है, मगर इन बेचारों का कोई महोत्सव नहीं होता कि उन सबको कोई याद करे। कई बार बात इशारों में कही जाती है और उसका निहितार्थ दूसरा होता है। अब किसी का कहा यह वाक्य कि कुएं में उछलता हुआ हर मेंढक क्रांतिकारी होता है, सिर्फ कुएं में उछलते मेंढकों के लिए ही नहीं कहा गया, बल्कि उबलते पानी के जार में शांत बैठे मेंढकों, होड़ में दौड़ते और आए दिन टर्र-टर्र करते रहने वाले उन तमाम मेंढकों और कथित मेंढक जैसों के लिए कहा गया है जो आंखों और कानों से बाधित कुछ देख या सुन नहीं पा रहे हैं। ऐसा लगता है कि यह समय क्रांतिकारी का नहीं, अहंकारी का है। न तो किसी को किसी क्रांतिकारी से कोई लेना-देना है, न क्रांति से हम भले हमारा अहम भला। हमें सब समझते हैं। सबको अपना देखना चाहिए। सीखने और बदलने को किसी से कुछ भी सीखा जा सकता है और हाले-बेरहम से लेकर कायनात तक सब कुछ बदला जा सकता है। मगर मनचाहा सब हो जाएगा तो रोने को क्या बचेगा? विद्वान मित्र तरकश में तीर लिए तैयार बैठे होंगे कि अब मेंढकों से ही सीखना बाकी रह गया है!

आज हम सब एक अंधेरी दौड़ में शामिल हैं, जिसमें हमारे अपने समझे जाने वाले शुभचिंतक ही शोर मचा-मचा कर हमें दौड़ से बाहर करके खुद दौड़ जीतने पर आमादा हैं। ऐसे में ये क्रांतिकारी मेंढक ही हमें हौसला देते है। याद किया जा सकता है कि मेंढकों की दौड़ की वह कहानी, जिसमें दौड़ देखने जमा हुई भीड़ के हो-हल्ले के बीच आखिर एक मेंढक ने दौड़ जीत ही ली और जब उससे उसकी जीत का राज पूछा जाने लगा तो पता चला वह कान से सुनने से बाधित है, कुछ सुन नहीं पा रहा था। तो इसके मद्देनजर क्यों नहीं सिर्फ अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने के बारे में सोचा जाए?

आज हर तरफ मेंढकों की आवाजें सुनाई देती हैं। भरी गर्मी हो या कड़ाके की सर्दी। अब इसे सुनकर अगर हम ये समझें कि बस बारिश आई ही समझो तो ये हमारी गलतफहमी है। ये नकली मेंढकों की टर्र-टर्र हमारा ध्यान भटकाने के लिए होती हैं। ये दरअसल अहंकारियों के स्वर होते हैं। इस बात को समझना जरूरी है। हर मौसम को अपनी निगाहों से देखना और अपना रास्ता तय करना चाहिए। कहते है, जो जहां होता है, खुश नहीं होता। व्यवसाय करने वाला नौकरी चाहता है और नौकरीपेशा व्यक्ति व्यवसाय करना चाहता है। व्यवसायी प्रतिद्वंद्वी से परेशान है तो बेरोजगार अपनी तंगहाल जिंदगी से। मगर बदलाव के लिए शिद्दत से कोशिश करने की सीख भी इन कुएं में उछलते असली क्रांतिकारियों से ही सीखी जा सकती है। आसपास के नकली लोगों से नहीं।

नकली लोग जोर से आवाज जरूर लगाते दिख सकते हैं, लेकिन जब जोखिम उठाने की बात आएगी तब वे अपने दड़बे में छिप जाते हैं और इंतजार करते हैं कि कोई दूसरा आकर विपरीत परिस्थितियों से लड़े और उन्हें भी मुश्किल से उबारें। ऐसे नकली लोगों से बचने की जरूरत है, जो अपनी करनी से अक्सर अपनी जिंदगी भी गंवा देते हैं। एक बर्तन में मेंढक को रखकर जब पानी को गरम किया जाता है तो वह तब तक आराम से रहता है, जब तक उसे गर्मी महसूस न हो। पानी थोड़ा गरम करने पर वह कुनमुनाता है, मगर शरीर की ऊर्जा तापमान से तालमेल बैठाने में लगाने लगता है। पानी कुछ और गरम होने पर वह फिर से शरीर की ऊर्जा इकट्ठी कर गरम पानी का मुकाबला करने की कोशिश करता है। कुछ देर बाद पानी को और गरम पाकर छटपटा कर बाहर आने की कोशिश करता है, मगर तब तक उसकी सारी ऊर्जा पानी से तालमेल बैठाने में खर्च हो चुकी होती है और वहीं मर जाता है।

हम जहां हैं, वहां खुश नहीं है, मगर बदलाव के लिए पूरी शिद्दत से बाहर आकर अपनी मर्जी का करने के बजाय किसी उबलते पानी के जार में रखे मेंढक की तरह स्थितियों से तालमेल बैठाने में लगे हैं और जब बाहर आने के प्रयास शुरू करते हैं, तब तक अपनी सारी ऊर्जा जाया कर चुके होते हैं। इसीलिए चाहकर भी जिंदगी में बदलाव नहीं कर पाते। अगर लक्ष्य को पाना है तो अपने आसपास के पोखरों में टरानें वालों को बहरे मेंढक की तरह अनसुना करना चाहिए। जिंदगी में कोई सार्थक बदलाव करना हो तो उबलते पानी के बर्तन में अपनी ऊर्जा बेकार करने के बजाय शिद्दत से बदलाव की कोशिश करने की जरूरत है।

बसपा के एकला चलो से यूपी में होगा त्रिकोणीय मुकाबला! मुसलमानों के साथ आने की उम्मीद में हाथी मदमस्त

सपा से छिटक कर मुस्लिम वोटरों का रूझान बसपा की तरफ बढ़ा है। खासकर आजमगढ़ लोकसभा उप-चुनाव में जिस तरह से बसपा प्रत्याशी गुड्डू जमाली ने भाजपा-सपा को टक्कर दी,उससे बसपा के हौसलों को कुछ ज्यादा ही उड़ान मिल गई हैं, तो यूपी की राजनीति के कई बड़े मुस्लिम चेहरों ने भी बसपा का दामन थाम लिया है।

अगले वर्ष 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए उत्तर प्रदेश की सियासत अंगड़ाई लेने लगी है। भारतीय जनता पार्टी हो या फिर समाजवादी पार्टी अथवा बसपा-कांग्रेस सब रणनीति बनाने में लगे हैं,लेकिन एक बाद साफ हो गई है कि 2024 के आम चुनाव के लिए बसपा ने एकला चलो का ऐलान करके यह तय कर दिया है कि यूपी की 80 लोकसभा सीटों पर चुनाव त्रिकोणीय तो होगा ही, इसके अलावा कांग्रेस के वर्चस्व वाली कुछ सीटों जैसे रायबरेली, अमेठी में मुकाबला चौतरफा भी हो सकता है। 2007 से लगातार कमजोर हो रही बसपा को 2024 के आम चुनाव से काफी उम्मीद है। उसे 2019 के मुकाबले बढ़त की उम्मीद है।बसपा ने 2019 का लोकसभा चुनाव समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर लड़ा था और दस सीटों पर जीत हासिल की थी। बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमों मायावती को 2024 में ज्यादा बेहतर करने की उम्मीद इस लिए है क्योंकि पिछले कुछ उप-चुनावों में बसपा के प्रदर्शन में काफी सुधार आया है। इसकी सबसे बड़ी वजह यही थी कि मुसलमान वोटरों ने बसपा प्रत्याशी के समर्थन में खूब वोटिंग की थी। सपा से छिटक कर मुस्लिम वोटरों का रूझान बसपा की तरफ बढ़ा है। खासकर आजमगढ़ लोकसभा उप-चुनाव में जिस तरह से बसपा प्रत्याशी गुड्डू जमाली ने भाजपा-सपा को टक्कर दी,उससे बसपा के हौसलों को कुछ ज्यादा ही उड़ान मिल गई हैं, तो यूपी की राजनीति के कई बड़े मुस्लिम चेहरों ने भी बसपा का दामन थाम लिया है। बाद के एकला चलो ने यानी 2014 के चुनाव में बसपा का वोट बैंक सिकुड़ा और पार्टी राज्य की सत्ता वर्ष 2012 में गंवाने के बाद लोकसभा से साफ हो गई। मायावती ने इस चुनाव में पूरा जोर लगाया। लेकिन, भाजपा के ब्रांड मोदी के आगे न मायावती टिकीं और न ही सत्ताधारी समाजवादी पार्टी। इस

चुनाव में भाजपा गठबंधन यानी एनडीए ने 73 सीटों पर जीत दर्ज की। 5 सीटें सपा और 2 सीटें बसपा के पाले में गई। पार्टी चुनाव में 19.60 फीसदी वोट ही मिले। 22 से 25 फीसदी वोट बैंक की राजनीति करने वाली मायावती का आधार वोट खिसका। इसके बाद से बसपा संभल नहीं पाई है।

स्वामी प्रसाद मौर्य जैसे नेताओं ने भाजपा का दामन थामा तो ओबीसी वोट बैंक मजबूती के साथ भाजपा से जुड़ गया। भाजपा में गए तो दलित और अति पिछड़े वर्ग के वोटरों को एक नया ठिकाना दिखा। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में इसका असर दिखा। बसपा को 22.24 फीसदी वोट तो मिले, लेकिन पार्टी सिर्फ 19 सीटों पर सिमट गई। इसके बाद एक बार फिर 26 साल बाद सपा और बसपा का गठबंधन हुआ। यूपी की राजनीति में कल्याण सिंह और राम मंदिर मुद्दे की हवा निकालने वाली मुलायम सिंह यादव और काशीराम की जोड़ी की दोनों पार्टियां एक घुरी पर आईं। 2019 के चुनाव में इसका असर दिखा। 2014 के लोकसभा चुनाव में 71 सीट जीतने वाली भाजपा 62 सीटों पर आई। एनडीए ने कुल 64 सीटें जीतीं। यानी, 5 साल में 9 सीटों का नुकसान। फायदे में मायावती की बसपा रही। पार्टी ने सपा से गठबंधन का फायदा उठाते हुए 10 सीटों पर जीत दर्ज की। वहीं, सपा 5 सीटों पर ही जीत दर्ज कर पाई। कांग्रेस घटकर एक सीट पर पहुंच गई। वर्ष 2019 के चुनाव में बसपा का वोट शेयर सपा से गठबंधन के बाद भी 19.3 फीसदी रहा। सपा 18 फीसदी वोट शेयर के साथ तीसरे स्थान पर रही। कांग्रेस 6.31 फीसदी वोट शेयर ही हासिल कर पाई। भाजपा ने 49.6 फीसदी वोट शेयर के साथ प्रदेश की राजनीति पर अपना दबदबा दिखाया।

यूपी चुनाव 2022 भी कांग्रेस और बसपा के लिए मुश्किलों भरा रहा है। उत्तर प्रदेश में चार बार सरकार बनाने वाली बसपा केवल 12.88 फीसदी वोट ही हासिल कर पाई। पार्टी को केवल एक सीट पर जीत मिली। विधानसभा में विलुप्त होने से तो पार्टी बच गई, लेकिन आधार वोट ही खो दिया। भाजपा ने एक बार फिर सभी दलों को पछाड़ा। पार्टी ने 41.76 फीसदी वोट शेयर हासिल किया। वहीं, सपा 32.02 फीसदी वोट शेयर के साथ दूसरे स्थान पर रही। वहीं, कांग्रेस 2.4 फीसदी वोट शेयर हासिल कर पाई। कांग्रेस को विधानसभा चुनाव में 2 सीटों पर जीत मिली।

बहुजन समाज पार्टी लोकसभा चुनाव 2024 में पांच साल पहले के रिजल्ट को सुधारने की कोशिश करती दिख रही है। इसके लिए मायावती लगातार जिला स्तर के कार्यकताओं के साथ बैठक कर रही हैं। एक बार फिर दलित, ओबीसी, मुस्लिम समीकरण को साधने की कोशिश है। बसपा का मास्टरप्लान रेडी है। मायावती की हरी झंडी मिल चुकी है। इमरान मसूद जैसे पश्चिमी यूपी के कद्दावर नेताओं को पार्टी ने जोड़कर अपनी रणनीति साफ कर दी है। हालांकि, मायावती को एक ऐसे साथी की जरूरत है, जो वोट बैंक को उनकी तरफ ट्रांसफर कराए। कांग्रेस यूपी में ब्राह्मण, ओबीसी और मुस्लिम वोट बैंक पर अपनी पकड़ रखती थी। इनके सहारे सत्ता की सीढ़ी चढ़ने की कोशिश करती थी। मायावती ने बहुजन वोट बैंक पर फोकस किया है। ऐसे में वह कांग्रेस के सहारे सवर्ण वोट बैंक को साधने की कोशिश कर सकती है। इन वोटों को गठबंधन के सहारे एक-दूसरे को ट्रांसफर कराने का प्रयास होगा। बसपा सांसद की राहुल गांधी की यात्रा में शामिल होने के बाद जिस प्रकार के कयास लग रहे हैं, उससे साफ है कि यूपी की राजनीति में दोनों राजनीतिक अकेले प्रभाव खो रहे हैं। विपक्ष की राजनीति का चेहरा अभी समाजवादी पार्टी बन गई है। उस मोमेंटम को यूपी निकाय चुनाव से बदलने की कोशिश है।

डीएम ने गड़वार वृद्धाश्रम के संबंध में की बैठक

बलिया। जिलाधिकारी सौम्या अग्रवाल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कैंप कार्यालय में वृद्धा आश्रम,गड़वार बलिया से संबंधित बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिलाधिकारी ने वृद्धाश्रम,गड़वार के प्रबंधक और सामाजिक सेवा कताओं से बातचीत की। उन्होंने जिलाधिकारी को बताया कि वर्तमान समय में गड़वार में 66 वृद्धजन रह रहे हैं जिनमें से 24 का अभी हाल में मोतियाबिंद का ऑपरेशन हुआ है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि इन सभी लोगों को चश्मे की भी व्यवस्था कराई जाए।वहां के प्रबंधक घनश्याम सिंह ने बताया कि इस वृद्ध आश्रम में सभी प्रकार की सेवाएं निःशुल्क प्रदान की जाती है। साथ में वृद्धजनों को जिन्हें अपने परिवार में किसी भी तरह की समस्या है या उनके संतानों द्वारा उन्हें छोड़ दिया गया है उन्हें लाने के लिए वाहन की भी व्यवस्था है। उन्होंने कहा कि ऐसे वृद्धजन जो परिवार द्वारा छोड़ दिए गए किसी प्रकार की भी समस्या होने पर उनके मोबाइल नंबर 9415681335, 9696 839707 पर संपर्क कर सकते हैं। इसी संदर्भ में जिलाधिकारी ने कल बसंतपुर स्थित पुलिस चौकी का निरीक्षण किया जो वास्तव में वृद्धाश्रम है जो भारत सरकार द्वारा संचालित है। बारिश के समय में वहां पर जलजमाव की समस्या हो जाती है इस कारण से यह वृद्धाश्रम इस समय संचालित नहीं हो रहा है। जिलाधिकारी ने बताया कि विजईपुर रेगुलेटर के बन जाने से इस वृद्ध आश्रम से जलजमाव की समस्या खत्म हो जाएगी। जिससे बसंतपुर,वृद्ध आश्रम अगले वर्ष से कार्य करना शुरू कर देगा। बैठक में समाज कल्याण अधिकारी, एएसपी के अतिरिक्त गड़वार आश्रम के प्रबंधक और सामाजिक सेवक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

फेसबुक पर दोस्ती के बाद प्यार, प्रेमी से मिलने को साइकिल से गुजरात के लिए निकली युवती, पुलिस ने पकड़ा

बलिया। फेसबुक पर दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदल गई। प्यार इस कदर परवान चढ़ा कि प्रेमिका प्रेमी से मिलने के लिए बेकरार हो गई। वह बलिया से गुजरात जाने के लिए साइकिल से ही निकल गई। इस बात की भनक लगते ही पुलिस हरकत में आ गई। युवती को पकड़कर परिजनों के हवाले कर दिया। घटना मंगलवार शाम की है। बलिया के बांसडीह क्षेत्र निवासी एक युवती फेसबुक के जरिए गुजरात के सूरज निवासी युवक से मिली। दोनों की दोस्ती प्यार में बदल गई। प्रेम परवान इतना चढ़ा कि मंगलवार को युवती सूरत शहर जाने के लिए घर से साइकिल से निकल पड़ी। शंकरपुर चट्टी पर पहुंचकर किसी का इंतजार करते हुए इधर-उधर घूमने लगी।

पुलिस से बोली- परीक्षा देने इलाहाबाद जा रही- आसपास के लोगों ने युवती पर कड़ी नजर रखी। जिसके बाद किसी अनहोनी की आशंका पर पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवती को हिरासत में लेकर थाना पर पहुंची। पूछताछ में युवती ने बताया कि वह परीक्षा देने इलाहाबाद जा रही है। पुलिसकर्मियों ने उसकी तलाशी ली तो उसके पास परीक्षा से संबंधित कोई सामग्री नहीं मिली। पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की तो युवती ने अपना नाम और घर का पता बताया। इसके बाद पुलिस ने मोबाइल नंबर के जरिए युवती के परिजनों से संपर्क साधा और थाने पर बुलाया। थाने पर पहुंचे परिजनों ने वह सुबह ही साइकिल से घर से निकली थी। उसकी तलाश की जा रही थी। पुलिस ने पूछताछ के बाद युवती को परिजनों के हवाले कर दिया। थानाध्यक्ष राजकपूर सिंह ने बताया कि मामला प्रेम प्रपंच का था। युवती के घरवालों को बुलाकर उसे सुरक्षित सौंप दिया गया।

पीएम मोदी के पहल पर विद्यार्थियों के बीच परीक्षा पर चर्चा का आयोजन

दुबहर बलिया। स्थानीय क्षेत्र के राम सिंहासन किसान इंटर कॉलेज के प्रांगण में गुरुवार के दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पहल पर विद्यार्थियों के बीच परीक्षा पर चर्चा का आयोजन जिला विद्यालय निरीक्षक रमेश सिंह की अध्यक्षता में किया गया। मुख्य अतिथि बलिया के सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि बलिया के सांसद ने उपस्थित सभी विद्यार्थियों को परीक्षा के तनाव से मुक्ति के विभिन्न उपाय बताएं उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन भी किया । कार्यक्रम के दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक रमेश सिंह ने विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी जिज्ञासाओं को एक-एक कर शांत किया। कार्यक्रम को इंटर कॉलेज के प्रबंधक अशोक पाठक, प्रधानाचार्य ओम प्रकाश नारायण पांडे आदि ने भी विद्यार्थियों को परीक्षा के तनाव से मुक्त रहने की सलाह देते हुए आवश्यक उपाय एवं शिक्षण पद्धति पर विस्तार से चर्चा की। इस मौके पर विद्यार्थियों ने चित्रकला और भाषण प्रतियोगिता के आयोजन में भाग लिया। संचालन डॉ. द्रोणाचार्य पांडे ने तथा सब का आभार व्यक्त प्रधानाचार्य श्री ओम प्रकाश नारायण पांडे ने किया। इस मौके पर राजाराम तिवारी ,प्रबंधक अशोक पाठक, सत्येंद्र पांडे, सुधीर पांडे, उत्तम गिरी, गोवर्धन पांडे ,राजीव कुमार पांडे, पूर्व जिला पंचायत सदस्य सत्यनारायण गुप्ता, अमित दुबे, दयाशंकर मिश्र, हृदयानंद मिश्रा, गोलू दुबे, आदि लोग उपस्थित रहे।

जरूरतमंदों के बीच युवा समाजसेवी ने 250 शॉल का किया वितरण

सिकन्दरपुर (बलिया)। जन सेवा ही सबसे बड़ी सेवा होती है। गरीबों की सेवा करना ही सबसे बड़ा धर्म माना गया है। इसी क्रम में तहसील क्षेत्र के ग्राम सभा मासूमपुर में गुरुवार की सुबह युवा समाजसेवी विनोद सोनी के नेतृत्व में घर घर जाकर गरीबों, असहायों व जरूरतमंदों के बीच 250 शॉल का वितरण किया गया। इस दौरान विनोद सोनी ने कहा कि जनसेवा के लिए अच्छी सोच के साथ समाज में कार्य करने की आवश्यकता है। ऐसा करने से हम लोग बेसहारा लोगों का कुछ देर के लिए दुख दूर कर सकते हैं। कहा कि भारतीय संस्कृति में सेवा परमो धर्मा कहा गया है। भागवत कथा और रामायण में भी भगवान श्रीकृष्ण और राम ने भी जनसेवा धर्म को निभाया था। कहा कि अपने लिए तो सभी जीते हैं मजा तब है, जब गरीबों व असहायों के लिए भी कुछ करें। समाज के प्रबुद्ध लोगों को भी ऐसे पुनीत कार्य के लिए आगे आना चाहिए। वितरण कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ मुन्ना गुप्ता, रामजी वर्मा, पन्ना लाल गुप्ता, अखिलेश वर्मा, पिंटू गुप्ता, मनोज गुप्ता व अमित गुप्ता आदि लोग मौजूद रहें।

लोक अदालत को सफल बनाने के लिए विचार विमर्श

बलिया। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निदेर्शानुसार एवं माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बलिया श्री जितेन्द्र कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बलिया के अपर जनपद न्यायाधीश/सचिव, नरेन्द्र पाल राणा के संचालन में आज दिनांक 19/01/2023 को माननीय महोदय के विश्राम कक्ष में समस्त अपर जनपद न्यायाधीश एवं फाइनेन्स कम्पनी के अधिवक्तागण के साथ प्री-ट्रायल बैठक, विशेष लोक अदालत दिनांक 21.01.2023 को व्यापक रूप से सफल बनाने के उद्देश्य से की गयी। उक्त बैठक में दिनांक 21/01/2023 को आयोजित आगामी विशेष लोक अदालत को सफल बनाये जाने हेतु विचार विमर्श किया गया। श्री जितेन्द्र कुमार पाण्डेय माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बलिया द्वारा बैठक में उपस्थित समस्त न्यायिक अधिकारीगण को निर्देशित किया गया कि आगामी विशेष लोक अदालत दिनांकित 21.01.2023 को, अपने न्यायालय में लम्बित आर्बिट्रेशन संबंधित मामलों का अधिक से अधिक संख्या में निस्तारण करें, तथा उक्त बैठक में उपस्थित फाइनेन्स कम्पनी के अधिवक्तागण को निर्देशित किया गया है कि आपकी कम्पनी से सम्बन्धित आर्बिट्रेशन एवं कन्सीलिएशन एक्ट के

तहत न्यायालयों में लम्बित अधिक से अधिक निष्पादन वादों को आपसी सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारण कराया जाना सुनिश्चित करें। अपर जनपद न्यायाधीश/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नरेन्द्र पाल राणा द्वारा जनसामान्य से यह आवाहन किया गया कि आर्बिट्रेशन से सम्बन्धित अपने मामलों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बलिया के तत्वाधान में दिनांक 21.01.2023 को आयोजित होने वाले विशेष लोक अदालत में लगवाकर सुलह-समझौता द्वारा निस्तारण करायें तथा इस सस्ते, सुलभ न्यायिक प्रक्रिया का लाभ उठायें व लाभान्वित होवें। उक्त बैठक में श्री हुसैन अहमद अंसारी अपर जनपद न्यायाधीश कोर्ट सं0-03 नोडल अधिकारी (लोक अदालत), श्री महेश चन्द्र वर्मा विशेष न्यायाधीश (ई0सी0 एक्ट), श्री गोविन्द मोहन अपर जनपद न्यायाधीश कोर्ट सं0-8, श्री ओमकार शुक्ला विशेष न्यायाधीश (गैंगेस्टर एक्ट) कोर्ट सं0-5, श्री ओम प्रकाश अपर जनपद न्यायाधीश (एन0डी0पी0एस0 एक्ट) कोर्ट सं0-7, श्री अरूण कुमार-तृतीय अपर जनपद न्यायाधीश कोर्ट सं0-4, श्री प्रशान्त बिलगैयाँ अपर जनपद न्यायाधीश/एफ.टी.सी. प्रथम, श्री विनोद कुमार अपर जनपद न्यायाधीश/एफ.टी.सी. द्वितीय, श्री नरेन्द्र पाल राणा अपर जनपद न्यायाधीश/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बलिया, एवं अधिवक्ता श्री गीतेश पाण्डेय उपस्थित रहें।

चोरी के सामान के साथ 2 अभियुक्त गिरफ्तार

मनियर बलिया। श्रीमान पुलिस अधीक्षक बलिया श्री राजकरन नय्यर महोदय के निर्देशन में जनपद में चोरों/अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में दिनांक 19.01.2023 को रल्हड मनियर श्री प्रवीण कुमार सिंह, उ0नि0 अरूण कुमार सिंह मय हमराह के द्वारा मुखबिर की सूचना पर थाना मनियर पर दिनांक 18.01.2023 को पंजीकृत मु0अ0सं0 25/2023 धारा 457,380,41,411 भादवि0 के अभियुक्तगण अज्ञात चोरो के नाम का खुलासा करते हुए 02 नफर अभियुक्तगणों 1.धनन्जय कुमार राम पुत्र छोटेलाल राम निवासी हरिजन बस्ती मनियर थाना मनियर जनपद बलिया को नारायणपुर थाना बांसडीह से तथा धनन्जय कुमार राम के निशानदेही पर 2.दीपक कुमार बिन्द पुत्र स्व0 रमाशंकर बिन्द निवासी ग्राम राजपुर थाना बांसडीह जनपद बलिया को उसकी कबाड़ी की दुकान से चोरी के सामान के साथ गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही कर माननीय न्यायालय भेजा गया।

अभाविप द्वारा आयोजित खेल महोत्सव में कबड्डी में परशुरामपुर, खो खो में वीरांगना अव्वल

नगरा, बलिया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के तत्वावधान में जनता इंटर कालेज के प्रांगण में आयोजित दो दिवसीय जिला खेल प्रतियोगिता का समापन बुधवार को हो गया। इसमें छात्राओं ने उम्दा प्रदर्शन किया। कबड्डी में परशुरामपुर व खोखो में वीरांगना लक्ष्मीबाई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्रायें अव्वल रहीं। इन्हे मेडल व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। टीम की कैप्टन खुशी सिंह को मुख्य अतिथि ने मेडल दिया। बालिका वर्ग 400 मीटर की दौड में अंजली प्रथम, बालक वर्ग में सचिन प्रथम, 200 मीटर बालिका वर्ग में अंजली कुमारी प्रथम, बालक वर्ग में रतन सिंह प्रथम, 100 मीटर बालिका वर्ग स्वाती राजभर प्रथम, अविनाश प्रथम स्थान प्राप्त किये। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थानाध्यक्ष बृजेश कुमार सिंह ने विजेता प्रतिभागियों को मेडल व प्रमाण पत्र दिया। उन्होने अपने संबोधन में कहा कि खेल आज की आवश्यकता बन चुका है। खेल आपसी सौहार्द कायम रखने का उचित माध्यम है। विशिष्ट अतिथि प्रबंधक , भाजपा नेता योगेंद्र यादव ने कहा

कि स्वस्थ शरीर मे ही स्वस्थ मष्तिस्क का विकास होता है। गोरक्ष प्रांत के एसएफडी संयोजक राजकुमार यादव ने कहा कि विद्यार्थी परिषद ने राष्ट्र पुनर्निर्माण का जो संकल्प लिया है उसे पूरा करने के लिये हर क्षेत्र में प्रयासरत है। जिला प्रमुख डा. समरजीत सिंह ने कहा कि गांवों में प्रतिभाओं की कमी नही है। बस उन्हे उचित मंच प्रदान करने की जरुरत है। इस मौंके पर अनूप, रजनीश पांडेय, शानू शर्मा, अनुराग तिवारी आकाश सिंह, राहुल चौबे, राकेश चौहान, संजीव गुप्ता, दीपू पाठक, ऋषभ तिवारी आदि मौजूद रहे।

मित्र सेवा फाउंडेशन का धूमधाम से मनाया गया वर्षगांठ

प्रखर वाराणसी। राजातालाब मित्र सेवा फाउंडेशन की दूसरी वर्षगांठ मित्रसेवा कार्यालय हरसोस में मनाया गया ।आप को बता दे की मित्रसेवा फाउंडेशन का गठन 20 जनवरी 2021 को हुआ था। मित्रसेवा फाउंडेशन के चेयरमेन माननीय प्रेम सिंह आजाद जी ने गठन किया था। आज 20 जनवरी 2023 को दो वर्ष पूरे होने पर पूरे भारत में बहुत ही धूम धाम से स्थापना दिवस मित्रसेवक मना रहे है। स्थापना दिवस पर कार्यालय पर उपस्थित मित्रसेवा से एरिया मैनेजर श्री विनीत त्रिपाठी ने बताया कि दो वर्षो में मित्रसेवा के द्वारा पूरे भारत में लगभग 20 हजार से ज्यादा युवाओं को रोजगार मुहैया कराया गया और 2025 तक मित्रसेवा पूरे भारत में पांच लाख बेरोजगारों को रोजगार देंगे का मुहैया कराने का संकल्प लिया है इस दौरान श्री त्रिपाठी ने बताया कि मित्रसेवा हरसोस ब्रांच के माध्यम से ग्रामवासी,बैंकिंग की सारी सुविधाएं ले सकते है जैसे, गोल्ड लोन,होम लोन, प्रापर्टी लोन, डेली डिपॉजिट, आरडी, एफडी, ट्रैक्टर लोन,बिजनेस लोन, इत्यादि सेवाओ का लाभ से सकता है । इस दौरान वहा पर उपस्थित मित्रसेवा हरसोस ब्रांच मैनेजर राजेश कुमार,सीनियर फील्ड ऑफिसर राहुल यादव, समाजसेविका पूजा कुमारी, रामाआसरे पटेल, अनिल कुमार, सवाजसेवी विनोद, उमेश कुमार, देवेंद्र पटेल, ग्राम प्रधान हरसोस ओम प्रकाश, ग्राम प्रधान गंजारी अमित कुमार पटेल सूर्यबली, निहोरी, नीलम देवी,रंजना, सुरजी देवी,रेहाना,ममता वर्मा,हसबून निशा, अजीत कुमार, एवं ग्रामवासी क्षेत्रवासी मैजूद रहे ।

संक्षिप्त खबर

पारिवारिक कलह में विवाहिता ने लगाई फांसी

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। नगर के चौक बाजार गंज स्थित मोहल्ले में शुक्रवार दोपहर विवाहिता ने फांसी लगाकर अपनी इहलीला समाप्त कर ली। चौक बाजार गंज निवासी तुषार सिंह कसेरा की पत्नी सुप्रिया सिंह कसेरा उम्र 27 वर्ष दोपहर पति पत्नी के बीच कुछ अनबन हुई थी उसके के बाद पति ने पत्नी को समझा बुझा कर नगर के सहुवाईं का गोला स्थित अपने सराफा की दुकान पर चला गया। पति के जाते ही पत्नी सुप्रिया ने अपने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर साड़ी का फंदा बनाकर झूल गई, सुप्रिया और तुषार की शादी अगस्त 2020 में हुई थी सुप्रिया का मायका मऊ जनपद के दोहरीघाट कस्बे में था। विवाहिता के फांसी लगाने की सूचना स्थानीय पुलिस को जैसे हुई मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। क्षेत्राधिकारी मड़िहान उमाशंकर सिंह, थाना प्रभारी निरीक्षक कुमुद शेखर सिंह ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की एवं घरवालों समय परिजनों का बयान दर्ज किया वहीं मृतका के घर वालों को भी पुलिस ने सूचना दी नगर चौकी प्रभारी व अन्य पुलिस बल मौके पर उपस्थित रहे। पुलिस ने बताया कि परिजनों के आने के बाद तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी फिलहाल समाचार लिखे जाने तक मायका पक्ष नहीं पहुंच पाया था।

चोरी की मोबाइल के साथ युवक गिरफ्तार

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर पुलिस ने बुधवार को चेकिंग के दौरान लोगों के मोबाइल फोन चोरी करने वाले एक युवक को धर दबोचा। उसके पास से किया 4 मोबाइल भी बरामद किया। इस बाबत इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार ने बताया कि संदिग्ध व्यक्ति व वाहन चेकिंग अभियान के तहत एसआई शेषनाथ गोंड़ मंगारी बाजार से अभियुक्त शुभम चौबे पुत्र राम प्रसाद चौबे निवासी ग्राम प्रसादपुर थाना बड़ागाँव को संदिग्ध दिखने पर गिरफ्तार कर उसकी तलाशी ली तो उसके कब्जे से चोरी की 4 मोबाईल फोन बरामद किया गया । पुलिस ने धारा 379 व 411 के तहत जेल भेज दिया।

सपा कार्यकर्ताओं का हुआ उत्पीड़न तो जलेगी भाजपा की लंका : शिवपाल

बलिया। विधायक व पूर्व मंत्री शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि भाजपा के राज में कार्यकताओं का उत्पीड़न नहीं रुका तो भाजपा की लंका जलेगी और सपा सड़कों पर संघर्ष करेगी। उन्होंने कहा कि सभी समाजवादी लोगों को एक मंच पर लाने की कवायद चल रही है। पूर्व मंत्री और विधायक बुधवार को शहर से सटे होटल में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। सपा विधायक ने कहा कि कार्यकताओं का उत्पीड़न अब सपा बर्दाश्त नहीं करेगी और इसके खिलाफ जेल भरो आंदोलन किया जाएगा। इसके लिए समाजवादी विचारधारा के समान दलों और लोगों को जोड़ने की के साथ-साथ संगठन के विस्तार का काम भी शुरू हो गया है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा पर टिप्पणी करने से बचते हुए शिवपाल ने कहा कि सपा का उद्देश्य भाजपा को हराना है भारत जोड़ो यात्रा की हमारी शुभकामना है।

प्रधानमंत्री के परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के अंतर्गत आर्ट एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का भव्य आयोजन डीपीएस काशी में

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। बाबतपुर रोड स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल काशी में भारत के प्रधानमंत्री के द्वारा चलाए गए परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के अंतर्गत 20 जनवरी 2023 शुक्रवार कों आर्ट एवं पेंटिंग प्रतियोगिता 2023 का भव्य आयोजन किया गया` इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि त्रिभुवन राम अजगरा विधायक ,विशिष्ट अतिथि हरे राम त्रिपाठी (संपूणार्नंद संस्कृत विद्यालय वी.सी.) हंसराज विश्वकर्मा जिलाध्यक्ष भा.ज.पा., कमलेश झा, संजय सोनकर जिला मंत्री भा.ज. पा. ,अखण्ड सिंह भा.ज.पा. नेता एवं डीपीएस काशी के निदेशक आयुष पोद्दार रहे`

सरकार द्वारा चलाए गए इस कार्यक्रम में जनपद वाराणसी के विभिन्न विद्यालयों के कक्षा 9वीं से 12वीं तक के लगभग 56 विद्यालयों के लगभग 400 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया`

वाराणसी शहर के संत अतुलानंद रेजिडेंशियल एकेडमिक ,गुरु नानक इंग्लिश स्कूल, अतुलानंद कान्वेंट स्कूल, तुलसीदास इंटर कॉलेज, सरयू प्रसाद इंटर कॉलेज, आदित्य नारायण सिंह पब्लिक स्कूल, जीजीपीएस वाराणसी स्कूल, स्टर्लिंग स्कूल, सेंट जेवियर सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जीवन ज्योति हाई स्कूल, उदय प्रताप पब्लिक स्कूल इंटरमीडिएट कॉलेज बिरापट्टी, ग्लेनहिल स्कूल एवं डीपीएस काशी आदि विद्यालयों के प्रतिभागियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया`

जिला स्तरीय आर्ट एवं पेंटिंग प्रतियोगिता में महिमा सिंह संत अतुलानंद कान्वेंट स्कूल ने प्रथम, विपुल कुमार सुभद्रा इंटर कालेज ने द्वितीय तथा विनीता गुरुनानक इंग्लिश स्कूल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया` चयनित प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र के साथ स्मृति चिन्ह देकर पुरस्कृत किया गया एवं 10 सर्वश्रेष्ठ एवं 25 श्रेष्ठ कला का प्रमाण पत्र प्रतिभागियों को देकर सम्मानित किया गया प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी छात्र-छात्राओं को सर्टिफिकेट आफ पार्टिशिपेशन प्रदान किया गया डीपीएस काशी के प्रधानाचार्य ने बच्चों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा इस तरह की प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों की प्रतिभा को निखारना है बच्चों ने अत्यंत उत्साह पूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है` अपने मन के भावों एवं विचारों को चित्र के माध्यम से उकेरा है` डॉ आनंद प्रभा सिंह, निवेदिता शिक्षा सदन बालिका इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या ने कहा परीक्षा एक उत्सव है बच्चे तनाव रहित होकर परीक्षा का आनंद लें विद्यालय परिसर में बच्चे चित्रकारी एवं मौज-मस्ती करते नजर आए। एक्जाम वॉरियर्स पुस्तक में वर्णित चित्रों के आधार पर बच्चों ने अपनी चित्रकारी की`

इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ उमेश कुमार सिंह (प्रधानाचार्य हरिश्चंद्र इंटर कॉलेज मैदागिन), डॉक्टर आनंद प्रभा सिंह, प्रधानाचार्य निवेदिता शिक्षा सदन, श्रीमती विद्या देवी (प्रधानाचार्या राजकीय बालिका इंटर कॉलेज जक्खिनी) पवन कुमार सिंह (प्रधानाचार्य राजकीय अभिनव इंटर कॉलेज जक्खिनी), संतोष कुमार सिंह प्रधानाचार्य ए पी एस ,एडवाइजर जीएनआईओटी उमेश सिंह एवं दिल्ली पब्लिक स्कूल काशी के प्रधानाचार्य गणेश सहाय एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

मां बाप हो जाएं सावधान !

आनलाइन मंचों पर बच्चों को फंसाने के लिए जाल

नई दिल्ली (भाषा)। माता पिता को सावधान हो जाना चाहिए क्योंकि ऑनलाइन मंचों पर अजनबियों द्वारा बच्चों को फंसाने के लिए जाल बिछाया जा रहा है। एक नए अध्ययन में हिस्सा लेने वाले 424 अभिभावकों में से करीब 33 प्रतिशत ने बताया कि ऑनलाइन मंच पर उनके बच्चों से अजनबियों ने दोस्ती करने, निजी व पारिवारिक जानकारी मांगने और यौन संबंधी परामर्श देने के लिए संपर्क किया।

यह अध्ययन संयुक्त रूप से 'क्राय' (चाइल्ड राइट्स एंड यू) और पटना स्थित चाणक्य नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (सीएनएलयू) द्वारा किया गया। मह्राराष्ट्र, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश के 424 अभिभावकों के अलावा, इन चार राज्यों के 384 शिक्षकों और तीन राज्यों पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के 107 अन्य हितधारकों ने हिस्सा लिया। अभिभावकों के अनुसार, ऑन लाइन दुर्व्यवहार का शिकार बने बच्चों में से 14-18 आयु वर्ग की 40 प्रतिशत लड़कियां थीं, जबकि इसी आयु वर्ग के 33 प्रतिशत लड़के थे।

अध्ययन में शहरी क्षेत्र के मुकाबले ग्रामीण क्षेत्रों में माता-पिता ने उनके बच्चों के ऑनलाइन बाल यौन शोषण व दुर्व्यवहार (ओसीएसईए) का अनुभव करने की बात अधिक साझा की।

अध्ययन में हिस्सा लेने वाले 33.2 प्रतिशत अभिभावकों ने कहा कि ऑनलाइन मंचों पर उनके बच्चों से अजनबियों ने दोस्ती करने, निजी व पारिवारिक जानकारी मांगने और रिश्तों को लेकर यौन संबंधी परामर्श देने के लिए संपर्क किया। अभिभावकों ने बताया कि बच्चों के साथ अनुचित यौन सामग्री भी साझा की गई और ऑनलाइन उनसे यौन संबंधी बातचीत भी की गई।

यह पूछे जाने पर कि यदि उनके बच्चों को ओसीएसईए का सामना करना पड़ा तो वे क्या करना चाहेंगे केवल 30 प्रतिशत अभिभावकों ने कहा कि वे थाने जाकर शिकायत दर्ज कराएंगे, जबकि 'चिंताजनक रूप से 70 प्रतिशत ने इस विकल्प को खारिज कर दिया।' अध्ययन के अनुसार, केवल 16 प्रतिशत अभिभावक ही ओसीएसईए से संबंधित कोई कानून होने से वाकिफ थे।

अध्ययन में अभिभावकों को कानूनों व कानून प्रवर्तन संस्थानों के बारे में काफी हद तक जानकारी न होने के संकेत मिले। शिक्षकों ने पाया किया कि इनको लेकर बच्चों के व्यवहार में जो सबसे बड़ा बदलाव दिखा, वह था उनका किसी काम में ध्यान न होना और बिना किसी उचित कारण स्कूल न आना। इन बदलावों का उल्लेख करने वालों की संख्या 26 प्रतिशत थी, जबकि स्कूल में 'स्मार्टफोन' का इस्तेमाल अधिक होने की बात 20.9 प्रतिशत प्रतिभागियों ने कही।

'क्राय' के 'डेवलपमेंट सपोर्ट' की निदेशक एवं उत्तरी भारत में क्षेत्रीय संचालन की प्रमुख सोहा मोइत्रा ने मौजूदा कानूनी ढांचे के पुनर्मूल्यांकन और उसे कड़ा करने पर जोर दिया।

- **424 अभिभावकों में से करीब 33 प्रतिशत ने बताया कि ऑनलाइन मंच पर उनके बच्चों से अजनबियों ने दोस्ती करने, निजी व पारिवारिक जानकारी मांगने और यौन संबंधी परामर्श देने के लिए संपर्क किया।**
- **अभिभावकों के अनुसार, ऑनलाइन दुर्व्यवहार का शिकार बने बच्चों में से 14-18 आयु वर्ग की 40 प्रतिशत लड़कियां थीं, जबकि इसी आयु वर्ग के 33 प्रतिशत लड़के थे।**

अल्जाइमर

रक्त बायोमार्कर लक्षण शुरू होने से दस साल पहले पहचान कर सकता है

सोलनाबेगन (स्वीडन), (द कन्वरसेशन)। हालांकि अल्जाइमर रोग से दुनिया भर में साढ़े पांच करोड़ से ज्यादा लोग प्रभावित हैं, फिर भी इसका कोई इलाज नहीं है- और उपचार के विकल्प सीमित हैं। जबकि बीमारी का इलाज खोजने के प्रयासों में हाल में कुछ प्रगति हुई है और इस दौरान दो दवाओं के विकास में मदद मिली है जो रोग की प्रगति में देरी कर सकते हैं, उनके लाभों पर बहस हो रही है।

ऐसे में यह बताना जरूरी नहीं है कि अधिकांश नैदानिक परीक्षणों में, इन दवाओं की प्रभावशीलता को देखते हुए लक्षणों के उत्पन्न होने के बाद ही उपचार शुरू होता है। इसका मतलब है कि बीमारी से नुकसान पहले ही हो चुका होता है। ऐसा माना जाता है कि यदि इलाज पहले शुरू कर दिया जाता है - लक्षणों के शुरू होने से पहले - तो इससे होने वाले नुकसान को रोका जा सकता है। लेकिन समस्या यह है कि नैदानिक लक्षण, जो डॉक्टर अल्जाइमर रोग के रोगी का निदान करने के लिए देखते हैं, न्यूरोडीजेनेरेशन होने के बाद ही दिखाई देते हैं।

हालिया अध्ययन अल्जाइमर के निदान के लिए वर्तमान में उपयोग किए जाने वाले बायोमार्कर की तुलना में एक अलग बायोमार्कर का उपयोग करने का तर्क देता है। हमने पाया कि यह बायोमार्कर, जो किसी व्यक्ति के रक्त में पाया जा सकता है, बीमारी के लक्षण शुरू होने से दस साल पहले ही इनका पता लगा सकता है। यह शरीर में बीमारी के लक्षणों के अभरने से पहले ही इसकी आमद को रोकने का एक अवसर प्रदान करता है।

रक्त प्रोटीन

यह अध्ययन स्वीडिश परिवारों के डेटा का उपयोग करके किया गया था, जिन्हें एक ऐसे तरह का अल्जाइमर रोग था जो आनुवंशिक उत्परिवर्तन के कारण हुआ था। जबकि ऑटोसोमल डोमिनेंट अल्जाइमर डिजीज (एडीएडी) में विकीर्ण अल्जाइमर रोग (अल्जाइमर का सबसे सामान्य रूप, जो आनुवंशिक, जीवन शैली और पर्यावरणीय कारकों का एक संयोजन है) के समान लक्षण होते हैं और ये लक्षण बहुत पहले होते हैं - आमतौर पर किसी व्यक्ति की उम्र के 40 या 50 के दशक में। चूंकि म्यूटेशन विरासत में मिलता है, अगर माता-पिता में एडीएडी है तो उनके बच्चे में म्यूटेशन विरासत में मिलने की 50 प्रतिशत संभावना होगी।

यद्यपि अल्ज़ाइमर रोग से पीड़ित सभी लोगों में से एक प्रतिशत से भी कम लोगों में यह रूप होता है, इन परिवारों में शोध अध्ययन इस बारे में मूल्यवान जानकारी प्रदान करते हैं कि अल्ज़ाइमर रोग सामान्य रूप से कैसे बढ़ता है। इस अध्ययन में तीन अलग-अलग परिवारों के 75 लोगों को देखा गया, जिनका एडीएडी का इतिहास था। प्रतिभागियों ने कुल 164 रक्त के नमूने प्रदान दिए, सभी 1994 और 2018 के बीच एकत्र किए गए। अल्जाइमर रोग के ज्ञात लिंक वाले चार अलग-अलग रक्त-आधारित बायोमार्कर के स्तरों का विश्लेषण किया गया।

बीमारी के लक्षण देखने के लिए एमआरआई इमेजिंग और संज्ञानात्मक परीक्षण जैसे अन्य परीक्षण भी किए गए। हमारी मुख्य खोज यह थी कि एक विशेष प्रोटीन का स्तर, जिसे जीएफएपी कहा जाता है, अध्ययन में अन्य ज्ञात रोग-संबंधी रक्त-आधारित बायोमार्कर के विश्लेषण से पहले बढ़ गया। यह वृद्धि अल्जाइमर रोग के पहले ध्यान देने योग्य संकेतों से दस साल पहले ही शुरू हो गई थी।

जीएफएपी एक प्रोटीन है जो मस्तिष्क के एस्ट्रोसाइट्स द्वारा जारी किया जाता है। यह विशेष कोशिकाएं होती हैं, जो अन्य कार्यों के साथ मस्तिष्क की प्रतिरक्षा प्रणाली में भाग लेती हैं। जबकि जीएफएपी मस्तिष्क की प्रतिरक्षा प्रणाली प्रक्रियाओं में शामिल है।

- आमतौर पर किसी व्यक्ति की उम्र के 40 या 50 के दशक में। चूंकि म्यूटेशन विरासत में मिलता है, अगर माता-पिता में एडीएडी है तो उनके बच्चे में म्यूटेशन विरासत में मिलने की 50 प्रतिशत संभावना होगी।

नोरा फतेही व राजकुमार राव

का गाना 'अच्छा सिला दिया' रिलीज

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री नोरा फतेही और अभिनेता राजकुमार राव का गाना अच्छा सिला दिया रिलीज हो गया है। राजकुमार राव और नोरा फतेही की जोड़ी पहली बार सिंगर बी प्राक के नए गाने 'अच्छा सिला दिया' में नजर आ रही है।इस गाने

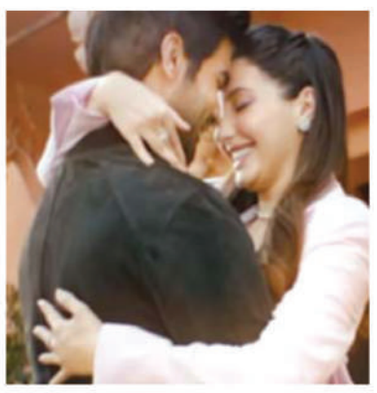

में राजकुमार राव और नोरा फतेही की लव और हेट केमिस्ट्री दिखाई गई है। गाना प्यार में मिले धोखे की कहानी कहता है।

'अच्छा सिला दिया' में नोरा फतेही राजकुमार को प्यार में धोखा देती हैं और उन्हें जान से मारने की भी कोशिश करती हैं, लेकिन राजकुमार बच जाते हैं और फिर नोरा से अपना बदला लेते हैं। इस गाने में नोरा फतेही कभी रोती हुई तो कभी राजकुमार के प्यार में नजर आ रही हैं। इस गाने को जानी ने लिखा है और सिंगर बी प्राक ने गाया है।

यूट्यूब ने अपडेट रिलीज किए

सैन फ्रांसिस्को (आईएएनएस)। वीडियो-शेयरिंग प्लेटफॉर्म यूट्यूब अपने यूट्यूब टीवी के लाइव गाइड और लाइब्रेरी के लिए अपडेट जारी कर रहा है, जो उपयोगकर्ताओं के अनुभव को कारगर बनाने में मदद करेगा। प्लेटफॉर्म ने बुधवार को एक ब्लॉगपोस्ट में कहा कि पुनः डिजाइन किया गया लाइव गाइड शीर्ष पर नई क्यूरेटेड सिफारिशें एक सरलीकृत डिजाइन और प्रत्येक लाइव शो या मूवी के लिए अधिक महत्वपूर्ण जानकारी लाता है। दूसरी ओर, लाइब्रेरी के अपडेट्स उपयोगकर्ताओं को बेहतर कंटेंट फिल्टरिंग और बेहतर संगठनात्मक टूल्स के साथ अपने कंटेंट का प्रबंधन करने में मदद करेंगे। 'उपयोगकर्ताओं को अगले कुछ महीनों में इस रीडिजाइन को देखना शुरू कर देना चाहिए।'

यूट्यूब टीवी पर अपडेट तीन प्रमुख सिद्धांतों- 'दर्शकों को अधिक नियंत्रण और पसंद के साथ सशक्त बनाने के लिए ताकि वे अपने तरीके से टीवी देख सकें', दूसरा, 'दर्शकों को कम प्रयास के साथ उनके इच्छित कंटेंट प्राप्त कर टीवी देखने की जरूरतों का अनुमान लगाएं' और तीसरा, 'विभिन्न रुचियों और देखने के व्यवहार को पहचानें' पर ध्यान केंद्रित करते हैं। कंपनी ने कहा, कि हमारी टीम की फिलोसॉफी यह है कि यूट्यूब टीवी 'टीवी मेड फॉर यू' है और यह आपके लाइव, लाइब्रेरी और होम में संपूर्ण प्रोडक्ट अनुभव में पिरोया गया है। मंच ने यह भी उल्लेख किया कि यह 'लाइव प्लेबैक के दौरान अधिक फ्लेक्सिबिलिटी और इंटेरेक्टिविटी लाएगा और उपयोगकर्ता प्रोफाइल के बीच आसानी से स्विच करने की क्षमता को जोड़ देगा।'

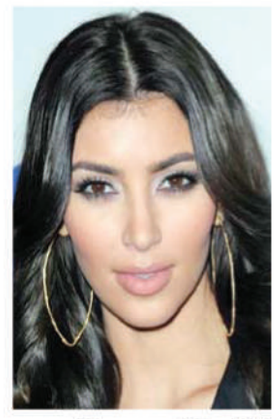

किम कार्दशियां ने राजकुमारी डायना का एक नेकलेस करीब 200,000 डॉलर में खरीदा है

किम कार्दशियां

खरीदा राजकुमारी डायना का नेकलेस

लॉस एंजिलिस (आईएएनएस)। रियलिटी टीवी स्टार किम कार्दशियां ने राजकुमारी डायना का एक नेकलेस करीब 200,000 डॉलर में खरीदा है। 42 वर्षीय रियलिटी सुपरस्टार ने कथित तौर पर सोथबी के वार्षिक रॉयल निकॉल नीलामी में 197,453 डॉलर में दिवंगत राजकुमारी द्वारा पहना गया हीरे से जड़ा नीलम अट्ठाल्लाह क्रॉस नेकलेस खरीदा। राजकुमारी डायना की मृत्यु 1997 में 36 वर्ष की आयु में एक कार दुर्घटना में हो गई थी। एक बयान में, सोथबी लंदन के आभूषण प्रमुख, क्रिस्टियन स्पोफोर्थ ने कहा, 'यह अपने आकार, रंग और शैली से गहनों का एक बोल्ड पीस है। चाहे वह विश्वास के लिए हो या फैशन के लिए - या वास्तव में दोनों। हमें खुशी है कि इसका एक विश्व स्तर पर प्रसिद्ध नाम के हाथों में जाने का मौका मिला है।'

रणबीर को शानदार फोटोग्राफर मानती हैं आलिया

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट अपने पति रणबीर कपूर को शानदार फोटोग्राफर मानती हैं और उनका कहना है कि उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी में उनके जैसा शानदार फोटोग्राफर नहीं देखा है।

आलिया भट्ट और रणबीर कपूर एक कैलेंडर लॉन्च इवेंट में शामिल हुए थे। आलिया भट्ट ने बताया कि रणबीर कपूर एक बेहद शानदार फोटोग्राफर हैं। आलिया ने कहा,'छुपा रुस्तम बहुत अच्छे फोटोग्राफर यहां हैं.. इंस्टाग्राम पर हैं नहीं ये, लेकिन मेरी जिंदगी में रणबीर जैसा कोई भी अच्छी फोटोग्राफर नहीं हैं। वहीं रणबीर कपूर ने कहा कि एक वक्त था जब उनका 'मीडिया और पैपराजी के साथ छत्तीस का आंकड़ा था। उस टाइम कुछ अक्ल नहीं थी। लगता था कि ये लोग मेरे दुश्मन हैं, और मैं जो कुछ कर रहा हूं यह लोग मुझे एक्सपोज कर रहे हैं, लेकिन जैसे अभी मैं बड़ा हुआ हूं उम्र हुई है तो समझ में आया है कि जैसे मेरा काम है एक्टिंग वैसे आपका काम है फोटो लेना है।

आलिया की फिल्म 'हार्ट ऑफ स्टोन' नेटफ्लिक्स पर

मुंबई (भाषा)। अभिनेत्री आलिया भट्ट की पहली हॉलीवुड फिल्म 'हार्ट ऑफ स्टोन' 11 अगस्त 2023 को ओटीटी मंच नेटफ्लिक्स पर प्रसारित होगी। फिल्म में हॉलीवुड अभिनेत्री गैल गैडोट मुख्य भूमिका में हैं। इसमें जेमी डोर्नन, सोफी ओकोनेडो और मैथियस श्वेघोफर जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन टॉम हार्पर ने किया है। नेटफ्लिक्स ने इसके साथ ही क्रिस हेम्सवर्थ की 'एक्सट्रैक्शन 2', एडम सैंडलर तथा जेनिफर एनिस्टन की 'मर्डर मिस्ट्री 2', जैक स्नाइडर की 'रेबेल मून' और डेविड फिंचर की 'द किलर' की रिलीज तारीखों की भी घोषणा की है। 'मर्डर मिस्ट्री 2' इस साल 13 मार्च को , 'एक्सट्रैक्शन 2' 16 जून को, 'द किलर' 10 नवंबर और 'रेबेल मून' 22 दिसंबर से नेटफ्लिक्स पर प्रसारित होगी।

शिल्पा शेट्टी ने किया डांस

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने प्यार करके गाना पर डांस किया हैं। शिल्पा शेट्टी ने सोशल मीडिया पर एक डांस वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह ठुमके लगा रही हैं। इस वीडियो में शिल्पा लभ जंजुआ का गाना प्यार करके के म्यूजिक पर जबरदस्त डांस स्टेप्स करती दिख रही हैं। वीडियो के साथ शिल्पा ने कैप्शन में लिखा, जस्ट मूविंग इट और डांस करते हुए एक इमोजी भी शेयर किया है। उनके इस वीडियो पर फैंस अपना प्यार दे रहे हैं। शिल्पा जल्द रोहित शेट्टी की आने वाली वेब सीरीज 'इंडियन पुलिस फोर्स' में नजर आएंगी।

अंटार्कटिका में मिले दुर्लभ उल्का पिंड से खुल सकते हैं रहस्य

नई दिल्ली, (एजेंसी)। धरती के निर्माण से जुड़े कई रहस्यों से पर्दा उठ सकता है। वैज्ञानिकों के दल ने अंटार्कटिका के सुदूर ब्लू आइस इलाके में काफी गहराई में मौजूद उल्का पिंड की खोज की है। इस इलाके में हर समय काफी तेज हवाएं चलती हैं। मिले उल्का पिंड इसका वजन 7.6 किलो है। अंटार्कटिका में इतने वजन के पिंड को काफी दुर्लभ माना जा रहा है।

विश्लेषण करने में जुटे वैज्ञानिक

यह पिंड बेल्जियम प्रिंसेस एलिजाबेथ अंटार्कटिका स्टेशन पर खोज के लिए पहुंचे अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों के एक टोही दल को मिला है। इससे नमूने लिए गए हैं, जिसकी जांच की जाएगी। इसकी रासायनिक संरचना और इसमें मौजूद खनिज का विश्लेषण कर पता लगाने का प्रयास किया जाएगा कि आखिर यह किस प्रकार का पिंड है। इससे वैज्ञानिकों को आगे भी शोध करने में सहायता मिलेगी।

इसके लिए 11 जनवरी 2023 तक चलाया गया अभियानः इसे लेकर 11 दिसंबर से 11 जनवरी 2023 तक अभियान चलाया गया था। इससे पहले चलाए गए तीन अभियानों में इस इलाके से 600 के करीब उल्का पिंड ढूंढे जा चुके हैं। इसलिए महत्वपूर्ण : स्विटजरलैंड स्थित ईटीएच-ज्यूरिख में पृथ्वी विज्ञान विभाग की प्रोफेसर मारिया स्कोएनबेक्लर ने कहा कि उल्का पिंड की खोज के लिए उपग्रह से ली गई तस्वीर और जीपीएस से मिली जानकारी की सहायता ली गई थी। उल्का पिंड आसमान से धरती पर गिरे पिंडों के अवशेष होते हैं। ये इस इलाके में कई हजार साल से पड़े हैं। ये ऐसे पदार्थ हैं, जो धरती पर बेहद पुराने हैं।

गूगल डेटा सेंटर्स में 1500 करोड़ लीटर पानी की खपत

न्यूयॉर्क, (एजेंसी)। दुनिया भर के लोगों की सवालों का जवाब देता है गूगल। गूगल के डेटा सेंटर्स करोड़ों लीटर पानी पीते है। दुनिया भर में मौजूद गूगल डेटा सेंटर्स ने साल 2021 में 1500 करोड़ लीटर पानी खर्च किया है। इसमें से 80 फीसदी तो अमेरिका में मौजूद डेटा सेंटर्स की खपत है। गूगल ने यह जानकारी तब दी जब उसे एक मीडिया संस्थान द ओरेगोनियन ने चैलेंज करके पूछा। पूछा गया कि गूगल यह बताए कि ओरेगॉन में स्थित गूगल का एक डेटा सेंटर कितना पानी खर्च करता है। इसे लेकर कोर्ट में चला गया केस। इसके बाद गूगल ने खुलासा किया ओरेगॉन में मौजूद डेटा सेंटर ने साल 2021 में 125 करोड़ लीटर पानी खर्च किया है।

एनडीआरएफ की नई वर्दी

नई दिल्ली में 18वें स्थापना दिवस पर गुरुवार को एनडीआरएफ (राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल) की नई वर्दी का अनावरण किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय एनडीआरएफ के डीजी अतुल करवाल के साथ मौजूद रहे।

आशीष की जमानत पर फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने वर्ष 2021 के उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी किसान आंदोलन के दौरान हिंसा मामले में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा के पुत्र आशीष मिश्रा की जमानत याचिका पर सुनवाई पूरी होने के बाद गुरुवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। जस्टिसद्वय सूर्य कांत उठ जेके महेश्वरी की पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कहा कि मामले की सुनवाई पूरी होने में पांच साल लग सकते हैं। इस हालात में अभियुक्तों को अनिश्चितकाल के लिए कैद नहीं किया जा सकता है।

चीन की 60 अंतरिक्ष मिशन शुरू करने की योजना

बीजिंग (एजेंसी)। चीन की 2023 में 60 से अधिक अंतरिक्ष मिशन शुरू करने की योजना है जिसमें 200 से अधिक अंतरिक्ष यान कक्षा में स्थापित किए जाएंगे। चीन एयरोस्पेस विज्ञान और प्रौद्योगिकी निगम ने यह जानकारी दी। एक बयान में कहा कि इस साल 60 से अधिक अंतरिक्ष मिशनों की व्यवस्था करने तथा 200 से अधिक अंतरिक्ष यान प्रेक्षपित करने की एक श्रृंखला को पूरा करने की योजना बनाई है। चीन का लक्ष्य 2023 के अंत तक अंतरिक्ष प्रेक्षपण की संख्या के लिए राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ना है।

प्रख्यात असमिया कवि नीलमणि फूकन नहीं रहे

गुवाहाटी, (एजेंसी)। प्रख्यात असमिया कवि एवं ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता नीलमणि फूकन का गुरुवार को यहां निधन हो गया। वह 89 वर्ष के थे। उम्रजनित बीमारियों से जूझ रहे फूकन का गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (जीएमसीएच) में सुबह करीब 11 बजकर 50 मिनट पर निधन हो गया। दस सितंबर 1933 को असम के डेरगांव में जन्में फूकन को 1997 में असम घाटी साहित्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। वर्ष 2020 में देश का सर्वोच्च साहित्यिक पुरस्कार 56वां ज्ञानपीठ पुरस्कार से नवाजा गया था।

प्रयागराज मंडल ने किया 495 ट्रेनों का आदान प्रदान

प्रयागराज, (ब्यूरो)। भारतीय रेल एवं उत्तर मध्य रेलवे के प्रमुख और महत्वपूर्ण अंग के रूप में प्रयागराज मण्डल सर्वाधिक घनत्व वाले नई दिल्ली- हावड़ा मुख्य मार्ग के 750 किमी के गाजियाबाद- प. दीनदयाल उपाध्याय खण्ड को सेवित कर रहा है। प्रयागराज मण्डल गाजियाबाद ड्ड प. दीनदयाल उपाध्याय खण्ड पर 288 से अधिक ट्रेनों का संचालन 130 किमी की अधिकतम गति पर कर रहा है, यह भारतीय रेल के किसी अन्य मंडल में 130 किमी प्रति घंटा की अधिकतम गति पर चल रही ट्रेनों की संख्या से कहीं अधिक है।

आज का इतिहास

- **1817:** कलकत्ता में हिन्दू कॉलेज की स्थापना।
- **1841:** प्रथम अफीम युद्ध में चीन ने हांगकांग को ब्रिटेन के हवाले किया।
- **1860:** इंडोनेशियाई द्वीप सेलेब्स के वाटमपोन पर डच सेना ने जीत हासिल किया।
- **1887:** पर्ल हार्बर को अमेरिकी सीनेट ने नौसैनिक अड्डा बनाने की अनुमति दी।
- **1892:** दुनिया में सबसे पहले बॉस्केट बॉल का खेल आज ही के दिन खेला गया था।
- **1920:** अमेरिका में नागरिक स्वतंत्रता संघ की स्थापना।
- **1925:** जापान और सोवियत संघ के बीच सहयोग समझौता हुआ।
- **1940:** भारतीय अभिनेता और राजनेता कृष्णम राजू का जन्म।
- **1942:** आज ही के दिन जापान ने बर्मा पर आक्रमण किया।

मुंबई में 38,800 करोड़ की योजनाओं के उद्घाटन पर पीएम मोदी

बड़े सपने देखने व पूरा करने का साहस रखता है भारत

मुंबई ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि आजादी के बाद पहली बार आज भारत बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने का साहस कर रहा है तथा भारत को लेकर दुनिया में सकारात्मकता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र के एक दिन के दौरे में मुंबई में आयोजित कार्यक्रमों में कुल 38,800 करोड़ रुपए की योजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया। उन्होंने मुंबई मेट्रो रेल लाइन 2ए और 7 को राष्ट्र को समर्पित किया। छत्रपति महाराज रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की योजना और सात सीवेज परिशोधन संयंत्रों की आधारशिला रखी। उन्होंने बालासाहेब आपला दवाखाना नाम से 20 डिस्पेन्सरी का उद्घाटन किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज हर किसी को लग रहा है कि भारत वह काम कर रहा है जो तेज विकास और समृद्धि के लिए जरूरी है। आज सबको लगता है कि भारत अपने सामर्थ्य का सदुपयोग कर रहा है। उन्होंने कहा कि देश भविष्योन्मुखी सोच और आधुनिक दृष्टिकोण से अपने भौतिक और सामाजिक अवसंरचना सुविधाओं पर खर्च कर रहा है। श्री मोदी ने कहा, आज देश में उस तरह का आधुनिक अवसंरचनाएं खड़ी हो रही हैं जिनकी पहले परिकल्पना नहीं की जाती थीं।

कर्नाटक को भी दी 10,800 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात

बेंगलुरु, (एजेंसी)। पीएम मोदी ने कर्नाटक में कहा कि केंद्र सरकार का ध्यान केवल विकास पर है न कि वोट बैंक की राजनीति पर। श्री मोदी ने 10,800 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद कहा, कि अगर देश का एक जिला भी विकास के मानकों पर पिछड़ जाता है, तो देश विकसित नहीं हो सकता। उन्होंने याद दिलाया कि आने वाले 25 साल देश के लिए 'अमृत काल' हैं। उत्तर कर्नाटक में यादगीर का उदाहरण देते हुए श्री मोदी ने विकास की राह में इस क्षेत्र के पिछड़ेपन पहार दुख जताया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में क्षमता थी, लेकिन पिछली सरकारों ने यादगीर और ऐसे अन्य जिलों को पिछड़ा घोषित करके खुद को दोषमुक्त कर लिया था। उन्होंने उस समय को याद किया जब पुरानी सरकारें वोट बैंक की राजनीति में लिप्त थीं और बिजली, सड़क और पानी जैसे बुनियादी ढांचे पर ध्यान नहीं दिया था। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने प्राथमिकता के आधार पर सबसे पिछड़े क्षेत्रों पर ध्यान दिया और यादगीर सहित सौ आकांक्षी गांवों के अभियान की शुरुआत की।

क्या 29 सप्ताह का गर्भ गिराया जा सकता है: सुप्रीम कोर्ट

एम्स निदेशक को दिया कमेटी बनाकर जांच के आदेश

नई दिल्ली ■ एजेंसी

20 वर्षीय अविवाहित बीटेक छात्रा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एम्स डॉक्टरों की टीम गठित करने के निर्देश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा है कि क्या 29 सप्ताह बाद सुरक्षित तरह से गर्भ गिराया जा सकता है।

मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एम्स निदेशक को 20 जनवरी को डॉक्टरों की टीम गठित कर जांच के आदेश दिए हैं और महिला का चिकित्सकीय परीक्षण कर रिपोर्ट जमा करने को कहा है। बता दें, सुप्रीम कोर्ट ने बीते साल सितंबर में गर्भपात मामले में बड़ा फैसला सुनाया था। कोर्ट ने कहा था कि महिला चाहें विवाहित हो या अविवाहित सभी को गर्भपात का अधिकार है। आदेश के बाद 24 सप्ताह तक सभी महिलाओं को गर्भपात कराने की इजाजत मिल गई।

क्या है एमटीपी एक्ट: मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेगनेंसी एक्ट के तहत विवाहित महिलाओं की विशेष श्रेणी, जिसमें दुष्कर्म पीड़िता व दिव्यांग और नाबालिग जैसी अन्य संवेदनशील महिलाओं के लिए गर्भपात की ऊपरी समय सीमा 24 सप्ताह थी, जबकि अविवाहित महिलाओं के लिए यही समय सीमा 20 सप्ताह थी। कोर्ट ने इसी अंतर को खत्म करने का आदेश दिया था।

प्रशासन ने नया जोशीमठ बसाने के लिए मांगे सुझाव

चमोली, (एजेंसी)। उत्तराखंड में चमोली जिला प्रशासन ने जोशीमठ नगर पालिका क्षेत्र में भूधसाव की वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए सभी प्रभावित नागरिकों से किसी अन्य सुरक्षित स्थानों पर स्थायी विस्थापन और नया जोशीमठ बसाने को लेकर सुझाव मांगे है। जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने जोशीमठ के सभी प्रभावित नागरिकों से अपने बहुमूल्य सुझाव जिला प्रशासन को देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि इस उद्देश्य प्रभावित नागरिकों को उनके सुझाव और स्वेच्छा के अनुरूप स्थायी अच्छी तरह से विस्थापन किया जा सके।

पूर्वजों की धरती पर पहुंच कर बहुत खुश हूं: राहुल

भारत जोड़ो यात्रा पंजाब से पहुंची जम्मू-कश्मीर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने'भारत जोड़ो यात्रा'के जम्मू कश्मीर पहुंचने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा है कि उन्हें देश और विभिन्न प्रदेशों को समझने के बाद अब अपने पूर्वजों की धरती जम्मू कश्मीर पहुंचने पर बहुत खुशी हो रही है। कांग्रेस नेता ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा के दौरान उन्हें खुद को, विभिन्न प्रदेशों को और देश को समझने का मौका मिला है। श्री गांधी ने ट्वीट किया कि गुरुवार को जम्मू-कश्मीर पहुंचने की बहुत खुशी है, क्योंकि अपने घर जा रहा हूं, जहां से मेरे पूर्वजों की जड़ें जुड़ी हैं। और, सीखता समझता जा रहा हूं, खुद को, हर प्रदेश को, अपने देश को। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व वाली भारत जोड़ो यात्रा अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंचकर गुरुवार की शाम पड़ोसी राज्य पंजाब से लखनपुर होते हुए जम्मू-कश्मीर में दाखिल हुई।

यूपी के 18 सपा नेताओं को दो-दो वर्ष की कैद

फिरोजाबाद, (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के फिरोजाबाद जिले में विशेष जज एमपी एमएलए कोर्ट अम्बरीश त्रिपाठी ने 15 साल पुराने बवाल के मामले में समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक अजीम भाई सहित 18 लोगों को दो-दो वर्ष के कारावास तथा अर्थदंड की सजा सुनाई है। कोर्ट ने समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक अजीम भाई सहित 18 लोगों को दो-दो वर्ष के कारावास तथा ढाई ढाई हजार जुर्माना भी लगाया। जुर्माना न देने पर अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

आरपीएफ ने चलाया अवैध रेलवे ई टिकट के विरुद्ध अभियान

प्रयागराज, (ब्यूरो)। प्रयागराज मण्डल, रेल सुरक्षा बल द्वारा मिशन उपलब्ध के तहत रेलवे आरक्षण ई-टिकटों का अवैध व्यापार करने वालों के विरुद्ध धरपकड़ अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत गुरुवार को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट प्रयागराज, डिटेक्टिव विंग/ प्रयागराज एवं विजलेंस/ मुख्यालय की टीम द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुए एक अभियुक्त पंकज पटेल पुत्र राम मगन सिंह निवासी गांव-शेखपुर रसूलपुर, थाना-चरवा, जिला कौशाम्बी, उत्तर प्रदेश को अवैध रूप से अपने निजी आईआरसीटीसी आईडी से रेलवे टिकटों का व्यापार करने के उद्देश्य से निकाले गए भूत एवं भविष्य के टिकटों एवं संबंधित इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों सहित गिरफ्तार किया गया।

जब्त संपत्ति एवं टिकटों का विवरण- एक कंप्यूटर मॉनिटर सीपीयू, कीबोर्ड,माउस, तीन अदद कनेक्टिंग वायर, भविष्य की यात्रा का एक ई टिकट कीमत रुपए 1180.75, भूतकाल यात्रा के 11 ई टिकट जिनकी कीमत रुपए 13,428.95, एक वीवो कंपनी का मोबाइल व नगद धनराशि रुपए 1500/- बरामद हुआ। अभियुक्त पर रेलवे एक्ट की धारा 143 के अंतर्गत प्रकरण पंजीकृत किया गया है।

ईरान में पत्नी का सिर काटने वाले को सिर्फ आठ साल सजा

तेहरान, (एजेंसी)। ईरान ने 17 साल की लड़की का सिर काटकर सड़क पर हीरो की तरह घूमने वाले उसके पति को केवल 8 साल की सजा दी है। अदालत ने कहा- मारी गई लड़की का नाम मोना था। उसकी फैमिली ने अपने दामाद को माफ कर दिया है। लिहाजा, उसकी सजा कम कर दी गई है।

कानून के मुताबिक- ईरान में कत्ल की सजा मौत है। लेकिन इसमें कई दूसरे मुस्लिम देशों की तरह एक पेंच भी है। दरअसल, अगर मारे गए शख्स की फैमिली कातिल को माफ कर देती है तो उसकी सजा कम भी की जा सकती और यहां तक कि उसे माफी भी दे दी जाती है। इस मामले में भी ऐसा ही हुआ।

यमुना की सफाई के लिए 1028 करोड़ अतिरिक्त मंजूर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा में गुरुवार को यमुना की सफाई के लिए 1028 करोड़ रुपए के पूरक अनुदान को मंजूरी दी गई। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री एवं जलमंत्री मनीष सिसोदिया ने यमुना सफाई के लिए पूरक अनुदान की मांग को सदन पटल पर रखा और सदन ने इसे मंजूरी दी। श्री सिसोदिया ने कहा कि उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने अफसरों पर दबाव बनाकर यमुना सफाई के काम को रोकने का हर संभव प्रयास किया। सदन से बजट मंजूर होने के बावजूद जलबोर्ड के काम रोके गए। उपराज्यपाल ने पहले परियोजना को रोकने का प्रयास किया। परियोजना नहीं रुकी तो फंड रोक दिए, लेकिन यमुना की सफाई का काम जारी है।दिल्ली सरकार यमुना की सफाई का काम कभी रुकने नहीं देगी। श्री सिसोदिया ने कहा,''सरकार ने दिल्ली जल बोर्ड के रुके पैसों को तो जारी करवा ही दिया है साथ ही यमुना की सफाई के लिए 1028 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बजट भी जारी किया है ताकि यमुना को साफ़ करने के कामों में तेजी लाइ जा सकें। यमुना की सफाई का काम रोकना नहीं है।मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने अगले चुनावों से पहले यमुना साफ़ करने का संकल्प लिया है जिसे पूरा किया जाएगा।

मौनी अमावस्या स्नान पर्व आज, तैयारियां पूरी

प्रयागराज (ब्यूरो)। माघ मेला के सबसे महत्वपूर्ण स्नान मौनी अमावस्या को लेकर गुरुवार को अपर पुलिस महानिदेशक भानु भास्कर एवं मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में मौनी अमावस्या स्नान पर्व को सकुशल, सुरक्षित ढंग से संपन्न कराए जाने के सम्बंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के द्वारा मेला क्षेत्र में स्नान पर्व को सकुशल ढंग से संपन्न कराने हेतु की गई तैयारियों की समीक्षा की।

तीखी प्रतिक्रिया — विदेश मंत्रालय ने भारत के खिलाफ खास नैरेटिव पर जताई आपत्ति

गुजरात दंगों पर बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री प्रोपेगंडा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बीबीसी द्वारा रिलीज डॉक्यूमेंट्री को लेकर विदेश मंत्रालय ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। गुजरात दंगों पर बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री को लेकर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने गुरुवार को कहा कि यह भारत के खिलाफ एक खास किस्म का दुष्प्रचार का नैरेटिव चलाने की कोशिश है।

डॉक्यूमेंट्री में दिखता है कि इससे जुड़े हुए लोग और संगठन एक खास किस्म की सोच रखते हैं क्योंकि इसमें कतई तथ्य और तटस्थता नहीं है। यह औपनिवेशिक मानसिकता से संचालित है। पीएम नरेंद्र मोदी पर बीबीसी द्वारा रिलीज की गई डॉक्यूमेंट्री पर विदेश मंत्रालय ने कहा है कि हमें लगता है कि यह एक प्रचार सामग्री है, जिसे एक विशेष बदनाम कहानी को आगे बढ़ाने के लिए बनाया गया है। इसमें पूर्वाग्रह, निष्पक्षता की कमी और औपनिवेशिक मानसिकता स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि यह हमें इस कवायद के उद्देश्य और इसके पीछे के एजेंडे के बारे में सोचने पर मजबूर करता है। ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक ने कहा- बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री में जिस तरह से प्रधानमंत्री मोदी को दिखाया गया है, मैं उससे कतई सहमत नहीं हूं। बीबीसीने 17 जनवरी को 'द मोदी क्वेश्चन' डॉक्यूमेंट्री का पहला एपिसोड यूट्यूब पर रिलीज किया था। दूसरा एपिसोड 24 जनवरी को रिलीज होना था।

पाक पहले आतंकवाद का साथ छोड़े तब होगी बात

इस दौरान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता बागची ने भारत पर पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ की हालिया टिप्पणी पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि हमने कहा है कि हम हमेशा पाकिस्तान के साथ सामान्य पड़ोसी जैसा संबंध चाहते हैं। लेकिन ऐसा अनुकूल माहौल होना चाहिए जिसमें आतंक, दुश्मनी या हिंसा न हो। यह हमारी स्थिति बनी हुई है।

ऑस्ट्रेलिया में मंदिरों पर हमले की निंदा

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में स्वामी नारायण मंदिर और एक अन्य हिंदू मंदिर पर हुए हमलों की घटना का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि हम जानते हैं कि हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में कुछ मंदिरों को तोड़ा गया है। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। इसकी ऑस्ट्रेलियाई नेताओं, समुदाय के नेताओं और वहां के धार्मिक संगठनों द्वारा भी सार्वजनिक रूप से निंदा की गई है।

त्रिवेणी तट पर कलाकारों ने दी रंगारंग प्रस्तुतियां

प्रयागराज, (ब्यूरो)। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज द्वारा आयोजित दस दिवसीय सांस्कृतिक उत्सव चलो मन गंगा यमुना तीर के दूसरी संध्या का आयोजन हुआ। सरगम है सूफियाना मां तेरे चरणों में मिले ठिकाना, कितनी सुंदर हिमगिरी शिव आसन कैलाश नगरी से प्रयागराज के संत लाल ने अपना गायन आरंभ किया। कार्यक्रम की कड़ी में राम प्रकाश पटेल एवं दल ने करके गवन वनवा गइले सजनवां तथा मेला प्रयागराज सुखदाई चले नहाई सजना की प्रस्तुति दी। वही धर्मेन्द्र एवं दल ने लई-लई के विश्वास हो आई-आई करें कल्पवास की प्रस्तुति को दर्शकों ने खूब सराहा। सुप्रसिद्ध लोकगायिका जया पांडेय एवं साथी कलाकारों ने मन भया रे सावरिया, चलों मन गंगा मन यमुना तीर तथा कोयल बिन बगिया न सोहे राजा की शानदार प्रस्तुति देकर दर्शकों को खूब झूमाया।

भारत ने वेल्स को हराया

4-2 से जीता भारत, पूल-डी में रहा दूसरे स्थान पर

भुवनेश्वर । भारत ने आकाशदीप सिंह के दो गोलों की बदौलत गुरुवार को एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 में वेल्स को 4-2 से हराकर पूल-डी में दूसरा स्थान हासिल किया। कलिंगा स्टेडियम पर खेले गये मुकाबले में शमशेर सिंह (21वां मिनट) और हरमनप्रीत सिंह (59वां मिनट) ने भारत के लिये एक-एक गोल किया, जबकि आकाशदीप (32वां, 45वां मिनट) ने दो गोल जमाये। भारत को पूल-डी में पहला स्थान हासिल करने के लिये कम से कम आठ गोल के अंतर से जीतने की जरूरत थी, हालांकि मेजबान टीम यहां वैसी आक्रामकता नहीं दिखा सकी। भारत ने पहली सीटी बजते ही वेल्स के अर्द्ध में जगह बना ली लेकिन गोलकीपर टोबी रेनोल्ड्स कॉटेरिल ने उसे गोल नहीं करने दिया। मनदीप सिंह ने पहला क्वार्टर समाप्त होने से ठीक पहले गोल पर एक और निशाना साधा मगर इस बार भी गेंद कॉटेरिल को पार नहीं कर सकी। भारत ने दूसरे क्वार्टर में भी वेल्स पर दबाव बनाना जारी रखा और 21वें मिनट में उसे सफलता मिली।

कप्तान हरमनप्रीत सिंह पेनल्टी कॉर्नर पर स्कोर करने में असफल रहे लेकिन शमशेर ने पलटकर आई गेंद को नेट में पहुंचाकर भारत को बढ़त दिला दी। आकाशदीप सिंह ने तीसरे क्वार्टर के शुरू होते ही फील्ड गोल करके भारत की बढ़त दोगुनी की, लेकिन इसके बाद वेल्स के चौतरफा खेल ने भारत को पीछे खींच लिया। भारत ने यह मुकाबला 4-2 से जीत लिया, हालांकि यह जीत भारत को पूल-डी में शीर्ष स्थान पर ले जाने के लिये अपर्याप्त साबित हुई। भारत और इंग्लैंड ने तीन मैचों में सात-सात अंक हासिल किये, लेकिन इंग्लैंड (नौ) ने गोल अंतर के आधार पर पहला स्थान हासिल किया, जबकि भारत पूल-डी में (चार) दूसरे स्थान पर रहा। इंग्लैंड ने इस पूल से सीधा क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है, जबकि भारत को शीर्ष-8 में पहुंचने के लिये क्रॉसओवर मुकाबले में न्यूजीलैंड का सामना करना होगा। भारत 32वें, 35वें, 40वें और 41वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर स्कोर नहीं कर सका, जबकि वेल्स ने 42वें और 44वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील करके स्कोर बराबर कर दिया। आकाशदीप ने चौथा क्वार्टर शुरू होते ही एक और गोल दागा, जबकि आखिरी मिनट में हरमनप्रीत पेनल्टी कॉर्नर पर स्कोर करने में सफल रहे।

इंग्लैंड के आगे स्पेन पस्त

भुवनेश्वर। इंग्लैंड ने गुरुवार को एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 के पूल-डी मुकाबले में स्पेन को 4-0 से रौंद दिया। कलिंगा स्टेडियम पर खेले गये एकतरफा मुकाबले में फिल रोपर (10वां), डेविड कॉन्डन (21वां), निकोलस बैडरुक (50वां) और लायम एंसल (51वां मिनट) ने इंग्लैंड के गोल किये। इस मुकाबले के साथ ही इंग्लैंड ने बिना कोई गोल दिये पूल स्टेज का समापन भी किया। पूल-डी में पहला स्थान सुरक्षित करने के लिये शुरुआत से ही आक्रामक रही इंग्लैंड ने रोपर और कॉन्डन के गोलों से आवश्यक लीड अर्जित कर ली। पहला हाफ समाप्त होने से पूर्व स्पेन ने भी मौके बनाये, हालांकि वह उनका फायदा नहीं उठा सका। मैच के 14वें मिनट में स्पेन को पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे वह गोल में नहीं तब्दील कर सका। दूसरे क्वार्टर में कॉन्डन के गोल से पूर्व भी स्पेन स्कोर करने के करीब आया, हालांकि इंग्लैंड का रक्षण इस बार भी अभेद्य साबित हुआ।

रोमांचक मुकाबले में मलेशिया की जीत

एफआईएच हॉकी विश्व कप: न्यूजीलैंड को 3-2 से हराया

भुवनेश्वर। मलेशिया ने फैजल सारी के निर्णायक गोल की बदौलत गुरुवार को एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 के रोमांचक पूल-सी मुकाबले में न्यूजीलैंड को 3-2 से मात दी। कलिंगा स्टेडियम पर खेले गये मुकाबले में मलेशिया के लिये फैजल सारी आठवां, 56वां मिनट ने दो जबकि राजी रहीम (42वां मिनट) ने एक गोल किया। न्यूजीलैंड के गोल हेडेन फिलिप्स (51वां) और सैम लेन (52वां मिनट) ने दागे। न्यूजीलैंड ने मुकाबले की आक्रामक शुरुआत करते हुए दूसरे ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया मगर आठवें मिनट में फैजल के गोल से मलेशिया बढ़त लेने में सफल रहा। मलेशिया ने शुरुआती बढ़त लेने के बाद गेंद को अपने कब्जे में रखने की रणनीति अपनायी। दूसरे क्वार्टर में मलेशिया को दो पेनल्टी कॉर्नर भी मिले, हालांकि वह उसका फायदा नहीं उठा सका। हाफ टाइम के बाद भी मलेशिया ने गेंद को अपने कब्जे में रखने पर जोर दिया। इस प्रक्रिया में मलेशिया ने तीसरे क्वार्टर में तीन पेनल्टी कॉर्नर हासिल किये और चौथे पर रहीम ने गोल दागकर एशियाई टीम को बढ़त दिला दी। चौथे क्वार्टर से पहले 2-0 से पिछड़ चुके न्यूजीलैंड के ऊपर काफी दबाव था मगर मैच के 49वें मिनट में मलेशिया के अजहर अमिरुल को येलो कार्ड देखकर पांच मिनट के लिये पिच से बाहर जाना पड़ा। न्यूजीलैंड ने इसका फायदा उठाते हुए दो मिनट बाद ही मलेशिया के अर्द्ध में जगह बनायी और हेडेन ने गोल दागकर स्कोर 2-1 कर दिया। अगले ही मिनट न्यूजीलैंड ने पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया और सैम ने इसे गोल में तब्दील करके स्कोर बराबर कर दिया। मलेशिया की जीत लगभग छिन चुकी थी, लेकिन फैजल एक बार फिर अपनी टीम को संकट से निकालने के लिये आगे आये और मुकाबला खत्म होने से सिर्फ तीन मिनट पहले उन्होंने फील्ड गोल दाग दिया।

नीदरलैंड ने चिली की उम्मीदों पर फेरा पानी

चिली को 14-0 से रौंदा

भुवनेश्वर । नीदरलैंड ने गुरुवार को एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 के एकतरफा मुकाबले में चिली को 14-0 से रौंदकर उसकी क्वार्टरफाइनल में पहुंचने की सभी उम्मीदें समाप्त कर दीं। कलिंगा स्टेडियम पर खेले गये मुकाबले में जिप जैनसेन (छठे, 29वें, 34वें, 44वें) ने नीदरलैंड के लिये चार गोल किये, जबकि कप्तान थिएरी ब्रिंकमैन (25वां, 33वां, 58वां) ने तीन गोल जमाये। कोएन बिजेन ने विजेता टीम के लिये दो गोल किये जबकि डर्क डी विल्डर, थिज्स वैन डैम, पीटर्स टेरेंस, ब्लोक जस्टेन और टेन बीन्स ने एक-एक गोल किया। अपना पहला विश्व कप खेल रही चिली के पास तीन बार की चैंपियन नीदरलैंड का कोई जवाब नहीं था। जैनसेन ने छठे मिनट में गोल करके इस ऐतिहासिक जीत की शुरुआत कर दी और हर गोल के साथ चिली क्वार्टरफाइनल से दूर होता गया। यह हॉकी विश्व कप के इतिहास की सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने विश्व कप 2010 में दक्षिण अफ्रीका को 12-0 से हराया था। नीदरलैंड तीन मैचों में तीन जीत हासिल करके पूल-सी से सीधा क्वार्टरफाइनल में पहुंच गयी है, जबकि क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर मौजूद मलेशिया और न्यूजीलैंड को क्रॉसओवर मुकाबले खेलने होंगे। पूल स्टेज के अपने सभी मुकाबले हारने के कारण चिली की क्वार्टरफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें समाप्त हो गयी हैं और अब वह नौवें से 16वें स्थान के लिये होने वाले मुकाबलों में हिस्सा लेगी।

भारत व न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम का रायपुर में जोरदार स्वागत

राजकीय गमछा पहनाकर किया गया खिलाड़ियों का स्वागत-अभिनंदन

रायपुर (ब्यूरो)। भारत और न्यूजीलैंड की क्रिकेट टीम का रायपुर एयरपोर्ट से लेकर होटल पहुंचने तक के पूरे रास्ते में खेलप्रेमियों ने क्रिकेटरों का स्वागत किया। होटल पहुंचते ही टीम इंडिया और न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों का स्वागत छत्तीसगढ़ के राजकीय गमछे से किया गया। खिलाड़ियों ने भी छत्तीसगढ़ के राजकीय गमछे को देर तक अपने कंधे पर सजाये रखा। टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा, हरफनमौला खिलाड़ी हार्दिक पांडया, गेंदबाज मोहम्मद सिराज, तेज गेंदबाज उमरान मलिक, विकेटकीपर बल्लेबाज इशान किशन, बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर सहित कई खिलाड़ियों ने छत्तीसगढ़ के राजकीय गमछे को धारण किया। वहीं न्यूजीलैंड के खिलाड़ी भी राजकीय गमझे को पहनकर काफी प्रसन्न दिखाई दिए। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा छत्तीसगढ़ की संस्कृति और परंपरा को संरक्षित और उनको एक नई पहचान देने के लिए छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा, छत्तीसगढ़ के राज्य गीत का गायन, अतिथियों का राजकीय गमछा से स्वागत, तीज त्योहारों का परंपरा अनुसार विशेष रूप से आयोजन किया जा रहा है। रायपुर के अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 21 जनवरी को दुधिया रोशनी में मैच खेला जायेगा। ये पहला अंतर्राष्ट्रीय मैच है, लिहाजा स्टेडियम पूरी क्षमता के साथ भरी होगी। भारतीय टीम के हैदराबाद में फार्म को देखते हुए रायपुर में भी दिलचस्प मैच की उम्मीद है। इससे पहले शुक्रवार को दोनों टीमें प्रैक्टिस के लिए उतरेंगी।

खाने में भी छत्तीसगढ़िया स्वाद

पहली बार राजधानी रायपुर में आयोजित होने वाले इंटरनेशनल मैच की तैयारी में रायपुर का अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम तो पूरी तरह से तैयार है ही। मेहमान नवाजी के लिए रायपुर के होटलों में भी शानदार व्यवस्था की गयी है। खिलाड़ियों को छत्तीसगढ़िया स्वाद से भी परिचय कराया जायेगा। मिलेट्स सूप और मिलेट्स स्लाद के साथ-साथ छत्तीसगढ़िया पारंपरिक स्वाद भी खाने में देखने को मिलेगा।

प्रियंक के बाद रिंकू का सैकड़ा

मेरठ। प्रियम गर्ग (122) के बाद रिंकू सिंह (108) के शतकीय प्रहार की बदौलत उत्तर प्रदेश ने रणजी ट्राफी ग्रुप डी मुकाबले के तीसरे दिन गुरुबार को ओडिशा के खिलाफ अपनी पहली पारी में 362 रन बना कर 136 रन की महत्वपूर्ण लीड हासिल कर ली। विक्टोरिया पार्क मैदान पर दिन का खेल खत्म होने तक ओडिशा ने शानदार वापसी करते हुए एक विकेट के नुकसान पर 152 रन बना लिये थे। स्टांप के समय कप्तान शुभ्रांसु सेनापति 91 रन और अनुराग सारंगी 52 रन बना कर क्रीज पर मौजूद थे। कल खेल का चौथा और अंतिम दिन है जिसके चलते मैच में परिणाम की गुंजाइश कम हो गयी है। इससे पहले उत्तर प्रदेश के रिंकू सिंह ने अपने प्रथम श्रेणी करियर का सातवां शतक 12 चौके और एक छक्के की मदद से पूरा किया। ओडिशा के सूर्यकांत प्रधान को सर्वाधिक चार विकेट मिले जबकि सुनील राउल और प्रयास सिंह ने दो दो विकेट चटकाये। उत्तर प्रदेश के गेंदबाज हालांकि पहली पारी में मिली लीड का लाभ उठाने में असफल रहे। ओडिशा का पहला विकेट मात्र नौ रन पर गिरने के बाद क्रीज पर आये कप्तान सेनापति ने पहले से मौजूद सारंगी के साथ क्रीज पर टिक कर खेलना शुरू किया और दिन के बाकी बचे समय में यूपी के गेंदबाज और क्षेत्ररक्षकों को सिर्फ पसीना बहाने के सिवा कुछ नहीं मिला।

पत्रिका फाइनल में, खिताबी भिड़ंत टाइम्स से 28 को

भोपाल। पत्रिका ने दैनिक जागरण को 62 रनों से हराकर इंटर प्रेस क्रिकेट टूर्नामेंट 2023 के फाइनल में प्रवेश कर लिया है, जहां उसका सामना टाइम्स ऑफ इंडिया से होगा। दिन के दूसरे मैच में यासिर के दोहरे प्रदर्शन से रिआन वॉटर ने यूआईपीएल को 17 रनों से हराया। इस जीत के साथ रिआन क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर गई है। ओल्ड कैपियन मैदान पर दिन के पहले मैच में पत्रिका ने नौ विकेट पर 149 रन बनाए। जागरण की ओर से शशि शेखर ने 29 रन देकर तीन विकेट झटके। जबकि कप्तान मृगेंद्र सिंह ने 4 ओवर में 22 रन देकर दो विकेट लिए। जवाब में जागरण टीम 87 रनों तक पहुंच पाई। उसकी ओर से कप्तान मृगेंद्र सिंह ने 16 गेंदों में चार चौकों की मदद से सर्वाधिक 22 रन बनाए। कप्तान मुकेश विश्वकर्मा ने 20 रन देकर तीन विकेट झटके। सतेंद्र सिंह ने तीन विकेट लिए। मुकेश मानसरोवर प्लेयर ऑफद मैच चुने गए। दिन के दूसरे मैच में रिआन वाटर ने 18 ओवर में 160 रन बनाए। इसमें यासिर खान ने 64 रन अभिषेक गिरी ने 45 रन बनाए। जवाब में यूआईपीएल आठ विकेट पर 144 रनों तक पहुंच पाई। उसकी ओर से रत्नेश ने 45 रन बनाए। दीपक मालवीय ने चार और यासिर खान ने तीन विकेट लिए। यासिर मानसरोवर प्लेयर ऑफद मैच चुने गए।

एफआईएच अध्यक्ष ने की अनुराग ठाकुर से मुलाकात

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ एफआईएच के अध्यक्ष तैयब इकराम ने खेल और युवा मामलों के मंत्री अनुराग ठाकुर से बुधवार को मुलाकात की और उन्हें ओडिशा में खेले जा रहे हॉकी विश्वकप समेत एफआईएच से जुड़े अन्य विषयों की जानकारी दी। इकराम ने बैठक के बाद एक बयान जारी कर कहा, मैं एफआईएच की ओर से भारत के खेल और युवा मामलों के मंत्री अनुराग ठाकुर के प्रति अपना कीमती समय देने के लिये आभार व्यक्त करता हूं। यह मेरे लिये और एफआईएच के लिये सम्मान की बात है।

हमारी बातचीत बेहद दोस्ताना माहौल में हुई। मैंने हॉकी इंडिया और एफआईएच के साथ मिलकर पुरुष हॉकी विश्वकप के बेहतरीन आयोजन और ओडिशा के प्रशंसकों की तारीफ की। उन्होंने कहा, हमने इस बारे में भी बात की कि हॉकी के विकास के मामले में एफआईएच कोचिंग समेत अन्य विषयों पर भारत की मदद कैसे कर सकता है। मंत्री ने एफआईएच को देश में हॉकी के विकास कार्यक्रमों के लिये सरकार की ओर से पूर्ण प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया। मुझे भविष्य में पानी मुक्त हॉकी पिचों की दिशा में हमारे काम पर अपडेट देने का अवसर भी मिला। इकराम ने ठाकुर से भारत की ओलंपिक मेजबानी योजनाओं पर भी बात की। मंत्री ने 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी की संभावना पर कहा कि सरकार इस दिशा में गंभीर है। इससे पूर्व, इकराम ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के महानिदेशक संदीप प्रधान से मुलाकात की और मौजूदा हॉकी विश्वकप के आयोजन के साथ-साथ हॉकी के विकास पर विचार विमर्श किया। गौरतलब है कि पुरुष हाकी विश्वकप का 15वां संस्करण 13 से 29 जनवरी तक ओडिशा के भुवनेश्वर और राउरकेला में खेला जा रहा है।

दर्द को हराकर जोकोविच तीसरे दौर में

आस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट

मेलबर्न । दसवीं बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब अपने नाम करने के लक्ष्य के साथ कोर्ट में उतरे सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने गुरूवार को फ्रांस के एंज़ो कॉकौड को दिलचस्प मुकाबले में 3-1 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया। रॉड लेवर एरिना में तीन घंटे चार मिनट तक चले मुकाबले में जोकोविच ने बाएं पैर में हैमस्ट्रिंग की चोट के बावजूद कॉकौड को 6-1, 6-7, 6-2, 6-0 से मात दी। साल के पहले ग्रैंड स्लैम में दुनिया के नंबर पांच खिलाड़ी ने फ्रांसिसी प्रतिद्वंदी के खिलाफ पहला सेट आसानी से अपने नाम कर लिया, हालांकि दूसरे सेट में उन्हें कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। दूसरा सेट 4-4 से बराबर होने पर जोकोविच के चेहरे पर दर्द की शिकन नजर आई।

उन्होंने 4-5 से पिछड़ने के बाद अपनी हैमस्ट्रिंग के लिये चिकित्सीय सहायता तलब की। कोर्ट में लौटने के बाद भी जोकोविच अपनी लय हासिल नहीं कर सके, जबकि कॉकौड ने इसका लाभ लेते हुए दूसरा सेट 7-6 से जीत लिया। जोकोविच ने हालांकि हिम्मत नहीं हारी और आखिरी 14 से में 12 गेम जीतते हुए मुकाबला अपने नाम किया। जोकोविच अब तीसरे चरण में 21 जनवरी को बुल्गारिया के ग्रिगॉर दिमित्रोव का सामना करेंगे। कोविड-19 वैक्सीन न लगवाने के कारण जोकोविच पिछली बार आस्ट्रेलियाई ओपन में खेलने का मौका गंवा बैठे थे मगर इस साल उन्होंने पहले दौर में स्पेन के रॉबर्टो बाएना को 6-3, 6-4, 6-0 से हराकर ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट की शानदार शुरूआत की।

कैस्पर रूड दूसरे दौर में उलटफेर का शिकार

दूसरी वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड दूसरे दौर में उलटफेर का शिकार हो गए। उन्हें विश्व रैंकिंग में 39वें स्थान पर टिके जेसन ब्रूक्सबी ने 6-3, 7-5, 6-7, 6-2 से हराया। ब्रूक्सबी ने आस्ट्रेलियाई ओपन में पदार्पण किया है, जबकि रूड पिछले साल फ्रेंच ओपन और अमेरिकी ओपन में उपविजेता रहे थे। इसके अलावा बेन शेल्टन, टॉमी पॉल और जेजे वोल्फ भी तीसरे दौर में पहुंच गये हैं। शेल्टन ने चिली के निकोलस जैरी को 7-6, 7-6, 7-5 से हराया।

सानिया-दानिलिना की जोड़ी दूसरे दौर में

भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा ने गुरुवार को आस्ट्रेलियाई ओपन के महिला युगल के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। सानिया ने अपनी जोड़ीदार कजाखस्तान की अन्ना दानिलिना के साथ मिल कर हंगरी की डालमा गाल्फी और अमेरिका की बर्नार्डा पेरा को 6-2, 7-5 से हराया। अब उनका सामना एलिसन वान यू और अन्हेलिना कालिनिना से होगा।

कूल्हे की चोट से उबरने में नडाल को लग सकते हैं दो माह

स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी और 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन राफेल नडाल को कूल्हे की चोट से पूरी तरह उबरने में छह से आठ सप्ताह तक का समय लग सकता है। नडाल के मैनेजर ने गुरूवार को बताया कि आस्ट्रेलियाई ओपन के दूसरे चरण के मैच में उनकी कूल्हे की समस्या उभर आयी थी। डॉक्टरों के मुताबिक टेनिस स्टार की चोट को ठीक होने में छह से आठ सप्ताह तक का समय लग सकता है। उन्होंने बताया कि मेलबर्न में एक अस्पताल में गुरुवार को 36 वर्षीय नडाल का एमआरआई हुआ जिसमें चोट की गंभीरता का पता चला।

लक्ष्य सेन इंडिया ओपन से बाहर, सात्विक और चिराग की जोड़ी चोट के कारण हटी

नयी दिल्ली। मौजूदा चैंपियन लक्ष्य सेन को गुरुवार को यहां इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में डेनमार्क के विश्व में 20वें नंबर के खिलाड़ी रासमस गेम्के से हार का सामना करना पड़ा। विश्व में 12वें नंबर के खिलाड़ी सेन यहां आईजी स्टेडियम में शुरूआती बढ़त का फायदा नहीं उठा पाए और उन्हें एक घंटे 21 मिनट तक चले दूसरे दौर के मैच में गेम्के से 21-16, 15-21, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले, पुरुष युगल में मौजूदा चैंपियन सात्विकसाईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को टूर्नामेंट से हटना पड़ा। सात्विक के चोटिल होने के कारण उन्होंने यह फैसला किया। महिला युगल में राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जॉली भी प्री-क्वार्टर फाइनल में चीन की छठी वरीयता प्राप्त झांग शु जियान और झेंग यू से 9-21, 16-21 से हारकर बाहर हो गईं।

साईना नेहवाल की हार के साथ भारत का सफर खत्म

इंडिया ओपन: लक्ष्य सेन भी हारकर बाहर

नई दिल्ली । दो बार की ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट साईना नेहवाल को चीन की चेन यू फेई के हाथों मिली हार के साथ गुरुवार को इंडिया ओपन 2023 में मेज़बान भारत का सफर समाप्त हो गया। इंदिरा गांधी स्टेडियम के केडी जाधव हॉल में सिर्फ 32 मिनट चले मुकाबले में चेन ने साईना को 21-9, 21-12 से मात दी। द

ूसरी ओर, भारत के स्टार शटलर और विश्व चैंपियनशिप मेडलिस्ट लक्ष्य सेन दूसरे दौर में डेनमार्क के रासमस गेमके से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गये। केडी जाधव हॉल में एक घंटे 21 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में आखिरी पॉइंट तक कांटे की टक्कर देखने को मिली, लेकिन अंततः गेमके ने 16-21, 21-15, 21-18 से जीत दर्ज की। इंडिया ओपन के गत चैंपियन लक्ष्य ने मुकाबले की दमदार शुरुआत की और पहले गेम में ब्रेक तक 11-10 की बढ़त ले ली। ब्रेक के बाद लक्ष्य ने गेमको को वापसी का मौका नहीं दिया और पहला गेम 21-16 से जीत लिया। दूसरे गेम में हालांकि डेनमार्क के खिलाड़ी ने दमखम दिखाया और ब्रेक तक 11-9 की बढ़त रखी। गेमके ने ब्रेक के बाद लक्ष्य की लयविहीनता का फायदा उठाते हुए मैच को निर्णायक गेम में पहुंचा दिया। आखिरी गेम में दोनों खिलाड़ियों ने मुकाबले का स्तर कुछ और बा दिया। गेम के ने पहले लक्ष्य की अप्रत्याशित गलतियों

चोट के कारण सात्विक-चिराग बाहर

नई दिली। भारतीय शटलर सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की ग्रोइन इंजरी के कारण सात्विक और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी घरेलू टूर्नामेंट इंडिया ओपन 2023 से बाहर हो गयी है। भारतीय बैडमिंटन संघ बीएआई ने गुरुवार को यह जानकारी दी। सात्विक-चिराग ने टूर्नामेंट के पहले चरण में स्कॉटलैंड के क्रिस्टोफर ग्रिमली और मैथ्यू ग्रिमली को 21-13, 21-15 से मात दी थी। दूसरे चरण में भारतीय जोड़ी का सामना चीन के ओऊ शुआनयी एवं लियु यूचेन से होना था। सात्विक-चिराग के बाहर होने का अर्थ है कि अब शुआनयी-यूचेन की जोड़ी सीधा क्वार्टरफाइनल में खेलेंगे। दूसरी ओर, कृष्ण गरग और विष्णु पंजाला की जोड़ी टूर्नामेंट की पुरुष युगल प्रतियोगिता में चीन के लियांग वीकेंग और वांग चैंग के खिलाफ भारत का प्रतिनिधित्व करेगी।

गरग-पंजला इंडिया ओपन से बाहर :कृष्णा प्रसाद गरग और विष्णुवर्धन पंजला की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी को इंडिया ओपन 2023 के दूसरे चरण में गुरुवार को चीन के लियांग वीकेंग और वांग चैंग के हाथों हार कर टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा। इंदिरा गांधी स्टेडियम के केडी जाधव हॉल पर 33 मिनट चले मुकाबले में वीकेंग-चैंग की जोड़ी ने भारतीय युगल को 21-14, 21-10 के लगातार गेमों में मात दी।

शिक्षा के क्षेत्र में

नई राहें

सफल लोगों के मुंह पर कभी नहीं आती ये चीज

सफल वे लोग ही होते ही जो भीड़ से अलग हट कर चलना पसंद करते हैं. देश-विदेश की तमाम बड़ी-बड़ी कामयाब हस्तियां भले ही अलग-अलग क्षेत्र से संबंध रखती हों और उन्होंने आगे बढ़ने के लिए अलग-अलग रास्ता अपनाया हो लेकिन उनकी मंजिल एक ही थी - सफलता इसके लिए आपकी मेहनत, लगन, और जूनून, जज्बा तो लगता हैं परन्तु कई बाते ऐसी भी होती हैं जीने सफल लोग कभी अपनी जुबां पर नहीं लाते हैं आज हम आपको सफल लोगो की कुछ ऐसी ही बातों के बारे में बता रहे हैं मैं अपनी जॉब या बिजनेस से नफरत करता हूं सफलता का आनंद लेने वाले व्यक्ति किसी भी प्रकार की नकारात्मकता नहीं फैलाते हैं वे हर चीज से प्यार करते है चाहे जॉब हो या बिजनेस वे कभी नहीं कहते कि मुझे अपनी जॉब या बिजनेस से नफरत हैं अत: आप भी सफलता हासिल करने के लिए कभी ये न कहे कि मुझे अपने काम से नफरत है कभी न कहे ये काम मुझसे नहीं होगा सफल व्यक्ति हर काम के प्रति अपनी रुचि दिखाते है वे किसी भी काम में अपने हाथ पीछे नहीं खींचते हैं और न ही किसी काम की जिम्मेदारी मिलने पर वे ये कहते है कि मुझसे ये काम नहीं होगा. इसिलए आप भी किसी नए काम को करने से न हिचकिचाएं एक सफल व्यक्ति बनने के लिए यह बात अवश्य ध्यान में रखें. कभी न कहें - ये असंभव है किसी भी काम को सोचने, समझने से पहले उसके बारे में किसी भी प्रकार की नकारात्मक प्रतिक्रिया न दे. हर काम को करने का प्रयास करे, पहले से ही उसके बारे में अनुमान न लगाए कि ये काम असंभव है या मुमकिन. क्योंकि दुनिया में ऐसा कोई काम नहीं है जिसे मानव न कर पाएं। ●

करियर बदलते समय इन बातों का रखें खास ध्यान

किसी भी इलाके में करियर बनाने के लिए अत्यंत आवश्यक हैं एक बेहतर और सकारात्मक कार्य करने की प्रक्रिया। आज कई युवा ऐसे हैं, जो लीक से हट कर चलना पसंद करते हैं। साथ ही कई युवा ऐसे भी हैं, जो नौकरी में निहित हैं, लेकिन वे अपने करियर में बदलाव चाहते हैं। अगर आपके साथ भी ऐसी स्थिति बनती हैं, और आप करियर में बदलाव चाहते हैं।

- माना कि कोई भी व्यक्ति पैसे के लिए ही काम करता हैं, लेकिन अपना सब कुछ छोड़ पैसे को अधिक महत्त्व देना यह कतई उचित नहीं हैं। करियर के बदलाव में यह चीज काफी मायने रखती हैं। आप कभी भी पैसे के चक्कर में अपना करियर न बदले। हर कार्य में काम की अपेक्षा पैसा मिलता हैं। अत: आप पैसे के लिए करियर में मोड़ न लाए।

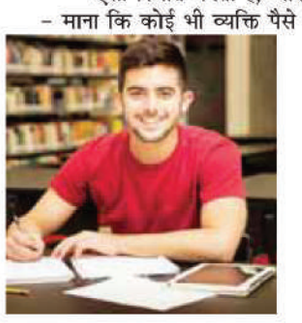

- आधुनिक युग में व्यक्ति खुद से नहीं बल्कि, लोगो को देखकर जल्दी उसकी तरफ आकर्षित होते हैं। लोग सच्चाई से अधिक दिखावे को महत्त्व देते हैं। लेकिन करियर के बदलाव मे इस प्रकार का कारनामा आपके भविष्य और करियर दोनों के ही लिए हानिकारक साबित हो सकता है। आप होड़ की दौड़ में खुद को शामिल न करें।
- होड़ की दौड़ में शामिल होने से बेहतर है कि खुद की कमजोरी और क्षमताओं को पहचाने और अपने करियर को अपने तरीके से मोड़ दे। करियर बदलने से पहले ये जान ले कि क्या वाकई आप बदले हुए करियर में खुद को सहज और सरल रख पाएंगे। ●

सोशल साइंस की पढ़ाई के बाद इन क्षेत्रों में बना सकते हैं करियर

भारत में मानविकी या ह्यूमैनिटीज और सामाजिक विज्ञान में कैरियर के बेहतरीन अवसर उपलब्ध हैं। मानविकी और सामाजिक विज्ञान में स्नातक युवाओं को नियुक्त करने के लिए कॉर्पोरेट सेक्टर अब ज्यादा इंट्रेस्टेड रहते हैं। अब मानविकी और सामाजिक विज्ञान बेहतरीन करियर ऑप्शन वाला सबसे तेजी से उभरते विषयों में से एक बन चुका है।

सिविल सर्वेंट

सोशल साइंस ग्रेजुएट छात्रों के लिए सबसे कॉमन करियर ऑप्शन है सिविल सेवा। आप किसी भी विषय में ग्रेजुएशन की डिग्री प्राप्त करने के बाद सिविल सेवा की परीक्षा में भाग ले कर ब्यूरोक्रेट का हिस्सा बन सकते हैं।

इकोनॉमिस्ट

एक इकोनॉमिस्ट आमतौर पर उत्पादों और सेवाओं की डिमांड और सप्लाई के आंकड़ों की जांच करता है। वे टैक्स रेट, बिजनेस साइकल, इकोनॉमिक डेवलपमेंट जैसे क्षेत्रों में मात्रात्मक और गुणात्मक रिसर्च करते हैं। अगर आप अर्थशास्त्र में गहन ज्ञान और रुचि रखते हैं तो सोशल साइंस ग्रेजुएट्स के लिए यह एक बेहतर करियर विकल्प है।

पॉलिटिकल साइंटिस्ट

जैसा कि नाम से ही पता चलता है पॉलिटिकल साइंटिस्ट पॉलिटिकल ट्रेंड, पॉलिसी, आइडिया पॉलिसी को समझने के लिए मात्रात्मक और गुणात्मक रिसर्च की मदद लेता है। ●

टी मैनेजमेंट में एमबीए कर आप भी बना सकते हैं बेहतर भविष्य

दुनिया भर में करोड़ों लोग चाय के दीवाने हैं। चाय की खोज का तो पता नहीं पर कहते हैं कि चीन से इसकी शुरूआत हुई जो अलग-अलग रूपों से होती हुई यूरोप पहुंची। जिसके बाद अंग्रेज इस नायाब चीज को भारत में ले आए। अंग्रेज़ों ने चाय उत्पादन की शुरुआत 1836 में भारत और 1867 में श्रीलंका में की। और फिर चाय धीरे-धीरे हमारे देश में सबसे ज्यादा पीया जाने वाला पेय बन गया। चाय सिर्फ पीने-पिलाने तक ही सीमित नहीं है। इसके कोर्स भी होते हैं। जिसके जरिए हम अपना करियर सवांर सकते हैं।

चाय प्रबंधन या टी मैनेजमेंट

टी मैनेजमेंट में 2 साल की अवधि का पोस्टग्रेजुएट प्रोग्राम यानी MBA होता है, जो कि चाय की प्रोसेस के प्रबंधन से संबंधित है। बता दें कि कॉफी के बाद चाय दुनिया में दूसरा सबसे ज्यादा पिया जाने वाला पेय है। टी इंडस्ट्री में भारत चाय का दुनिया का सबसे बड़ा कन्ज्यूमर, टी प्रोड्यूसर और टी एक्सपोर्टर ब्रांडिंग, प्रोसेसिंग, प्लांटवर्क, मार्केट और रिसर्च में आगे है। आइए आज हम इस खबर में आपको बताएंगे कि इस कोर्स से इस इंडस्ट्री में कैसे जॉब या कैसे करियर बना सकते हैं। साथ ही इसके लिए क्या एलिजिबिलिटी होनी चाहिए? एडमिशन के प्रोसेस क्या है?

दरअसल, कोर्स का नाम एमबीए इन टी मैनेजमेंट है। ये पोस्टग्रेजुएट कोर्स है यानी इस कोर्स को करने के लिए आपका ग्रेजुएट होना जरूरी है। इसमें एडमिशन लेने के लिए आपको एंट्रेस एग्जाम देना होगा। भारत में ऐसी कई सारी यूनिवर्सिटी हैं जो ये कोर्स प्रोवाइड कराती हैं।

इस कोर्स के लिए क्वालिफिकेशन

इस कोर्स में एडमिशन लेने के लिए छात्रों को किसी भी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से स्टैटिक्स, मैथमेटिक्स, बायोलॉजिकल साइंस, कंप्यूटर एप्लीकेशन आदि में ग्रेजुएट होना जरूरी है। साथ ही ग्रेजुएशन में कम से कम 60 फीसदी नंबर होने चाहिए। उम्मीदवारों को अपनी पसंद के कॉलेजों में सीट लेने के लिए एंट्रेस एग्जाम जैसे कैट, एक्सएटी, मैट, जीएमएटी और सीएमएटी में किसी एक को भी पास करना होगा।

एडमिशन प्रोसेस

देश के किसी भी टॉप यूनिवर्सिटी में एमबीए इन टी मैनेजमेंट कोर्स में एडमिशन लेने के लिए, उम्मीदवारों को एंट्रेंस एग्जाम देने की जरूरत होती है। एंट्रेंस एग्जाम में पास होने के बाद पर्सनल इंट्रव्यू होता है और यदि उम्मीदवार उसमें अच्छा स्कोर करते हैं, तो उन्हें स्कॉलरशिप भी मिल सकती है।

इन जगहों पर मिलेगी नौकरी

कोर्स के बाद आपको टी बोर्ड ऑफ इंडिया, चाय अनुसंधान कंपनियां, चाय ब्रोकिंग हाउस, चाय संघ, चाय कंपनी, चाय बागान में नौकरी मिलेगी। सैलरी की बात करें तो शुरूआती तौर पर आपको 50 हजार तक सैलरी दी जा सकती है। ●

बोर्ड एग्जाम की इस तरह से करें तैयारी

सीबीएसई बोर्ड द्वारा फरवरी - मार्च 2023 में आयोजित की जा रही 10वीं-12वीं बोर्ड परीक्षा में 36 लाख से अधिक विद्यार्थी हिस्सा लेने जा रहे हैं। ऐसे विद्यार्थी जिनकी बोर्ड परीक्षा की तैयारी नहीं हो पाई है, कोई कांसेप्ट अधूरा रह गया है,

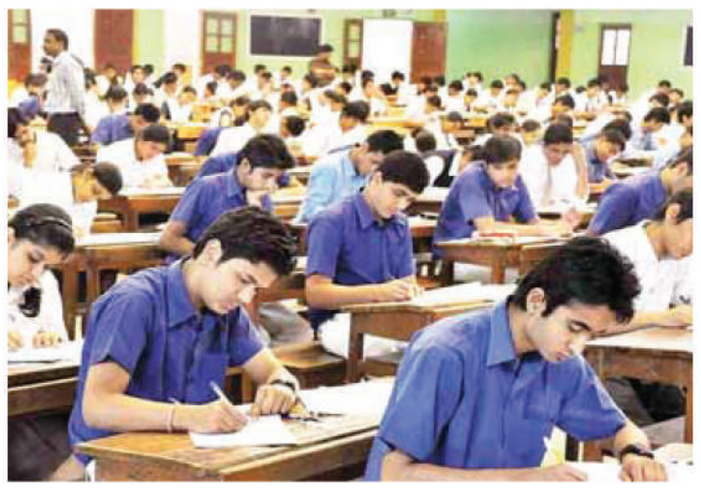

सिलेबस रिवीजन नहीं हो पा रहा, परीक्षा के दौरान प्रश्न पत्र हल करने की टिप्स एंड ट्रिक्स नहीं जानते हैं वह सफलता के विषय आधारित वीडियो कोर्स, ई बुक, मॉक टेस्ट की मदद से प्रथम श्रेणी में अपनी कक्षा पास कर सकते हैं। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा 10वीं - 12वीं छात्रों के लिए फरवरी मार्च में बोर्ड परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। जिसके लिए दिसम्बर 2022 महीने में ही डेटशीट घोषित की जा चुकी है। अब अभ्यर्थियों के पास बोर्ड परीक्षा की तैयारी करने के लिए केवल कुछ ही हफ्ते बचे हैं। अगर आप भी इस बोर्ड परीक्षा का हिस्सा बनने जा रहे हैं और आपकी तैयारी पूरी नहीं हो सकी है तो आप भी वीडियो कोर्स के अलावा 10वीं 12वीं छात्र सफलता प्लेटफॉर्म से सभी विषयों की फ्री ई बुक भी प्राप्त कर सकते हैं। छात्र सफलता के मॉक टेस्ट के जरिए बोर्ड एग्जाम में अपनी तैयारी का पता कर सकते हैं।

10वीं 12वीं कक्षा के जो छात्र परीक्षा में अच्छे अंक हासिल कर अपनी फर्स्ट डिवीजन लाना चाहते हैं उन्हें अपनी तैयारी की रणनीति बनानी होगी। सबसे पहले पिछले वर्षों के पेपर ढूंढें, इनसे आपको परीक्षा पैटर्न का अंदाजा होगा। कई बार कुछ साल पुराना पेपर पैटर्न रिपीट हो जाता है। ऐसे में अगर आपने पुराने प्रश्न पत्र हल करके तैयारी की है तो आपको अच्छे अंक लाने में मदद मिलेगी।

परीक्षा से पहले हर विषय का मॉक टेस्ट दें। इससे आपकी टाइमिंग तो सुधरेगी ही आपको ये पता भी चल जाएगा कि परीक्षा में कैसे आप बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

- अपने कमजोर क्षेत्रों की पहचान कर स्कूल के मेंटर या सफलता की मदद से उनपर काम करें और 100 में 100 अंक हासिल करने कोशिश करें।
- छात्र हर रोज अपने सिलेबस का रिवीजन करें ऐसा करने से सारे चैप्टर कवर हो जाएंगे और बोर्ड में किसी भी चैप्टर से सवाल आने पर आप उसे हल कर सकेंगे।
- बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र हर विषय को समझने की कोशिश करें। क्योंकि रटकर परीक्षा में उत्तर देने पर छात्रों को बेहतर अंक नहीं मिलने वाले। रचनात्मक उत्तर देने पर ही छात्रों को पूरे अंक दिए जाएंगे। ●

इन आसान तरीकों से आप भी सीख सकते हैं फोटोग्राफी

फोटोग्राफी अब बहुत ही आम बात हो चुकी है, हर कोई अपने स्मार्टफोन में अपनी और अपने साथी की फोटो लेता है। लेकिन क्या हर कोई उतनी अच्छी तस्वीर खींच पाता है जैसा सामने वाला चाह रहा है? नही। क्योंकि फोटो लेने की ट्रिक्स सबको पता नहीं होती। इसलिए तस्वीर अच्छी नहीं आती। फोटोग्राफी एक ऐसी चीज है, जिसमें ट्रेनिंग से अधिक पैशन की आवश्यकताओं होती है। इसलिए कुछ खास टिप्स को सीखकर आप फोटोग्राफी को अपना शौक बना सकते हैं। लॉकडाउन में फोटोग्राफी आप अपने घर के अंदर या उसके आसपास भी कर पाएंगे। आज हम आपको कुछ ऐसी खास टिप्स के बारे में बताएंगे, जिनकी सहायता से आप एक बेहतर फोटोग्राफर बन सकते हैं।

फोटोग्राफी के लिए घर के बाहर जाएं क्योंकि यहां पर आपको सनलाइट मिल जाएगी, जो फोटोग्राफी के लिए बहुत अच्छा होता है। अब यहां से आप अपने घर की या घर के लोगों की तस्वीर खींच सकते हैं। यहां पर बैकग्राउंड में ध्यान में रखकर कई तरह के प्रयोग फोटोग्राफी में किए जा सकते है। फोटोग्राफी में सामान्य तरह से फोटो खींचने की बजाय कई कोणों का इस्तेमाल करें। जैसे की कैमरे को जमीन पर या पर रखें और आब्जेक्ट किसी फर्नीचर पर बैठा या खड़ा हो तो उसका कोण अलग बन जाएगा। इसी तरह कई कोणों का प्रयोग करें। ऐसे ही अच्छा तस्वीर लेने के लिए नीचे झुकें, फर्श पर लेट जाएं, या अधिक रोचक चित्र बनाने के लिए किसी चीज पर चढ़ जाएं। अपनी तस्वीर को और भी सुंदर बनाने के लिए टेबलटॉप, काउंटर और ग्लास पर प्रतिबिंब को ध्यान से देखें। अब अपने कैमरे के कोण बदलें और इस स्थिति में फोटो क्लिक करें। इस एंगल में लिया गया तस्वीर आकर्षक और सुंदर दिखाई देता है। स्मार्टफोन में फोटो ले रहे हैं तो हमेशा रियर कैमरे की क्वालिटी अच्छी होती है। इसी के चलते जिसके रिजल्ट्स हमेशा बेहतर आते हैं। जिसके लिए फोन को किसी डेस्क या दीवार के सहारे रखें। अगर फोन को हाथ में पकड़कर वीडियो शूट करना चाहते हों तो फ्रंट कैमरा काम में लेते हुए कैमरे को रोटेट करके लैंडस्केप मोड में शूट भी कर पाएंगे। खबरों का कहना है कि छोटी चीजें बड़ी तस्वीर को और भी खास बना सकती है। इसलिए आब्जेक्ट को लेते वक्त ध्यान दें कि कोई छोटी चीज वहां एड करने से क्या बदलाव हो पाएंगे। या हटाने से आपका आब्जेक्ट कैसे और भी सुंदर दिखाई दे सकता है। ●

12वीं के छात्रों के लिए खुशखबरी

जेनल टेस्ट एजेंसी ने आईआईटी-एनआईटी में एडमिशन के लिए बड़ी छूट देने का फैसला किया है। NTA ने नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ इंफार्मेशन टेक्नोलॉजी, अन्य सेंट्रली फंडेड टेक्निकल इंस्टिट्यूशन्स में एडमिशन के लिए एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया के रूप में कक्षा 12 के 75 प्रतिशत अंकों वाले शर्त में छूट दी। बता दें कि प्रवेश संयुक्त प्रवेश परीक्षा मुख्य अंकों के आधार पर किया जाता है।

पात्रता मानदंड में छूट

सरकार द्वारा संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) मेन 2023 पात्रता मानदंड में छूट दी गई है। शिक्षा मंत्रालय (एमओई) ने जेईई मेन और जेईई एडवांस दोनों परीक्षाओं के लिए योग्यता में छूट दी है। कक्षा 12वीं बोर्ड में कुल मिलाकर 75 प्रतिशत और उससे अधिक स्कोर करने वालों के अलावा, प्रत्येक शिक्षा बोर्ड के टॉप 20 परसेंटाइल वाले छात्र भी परीक्षा देने के साथ-साथ आईआईटी और एनआईटी में प्रवेश लेने के पात्र होंगे। NTA ने ये भी कहा कि अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए, कक्षा 12 की परीक्षा में योग्यता अंक 65प्रतिशत होना चाहिए।

छात्रों को मिलेगी राहत

चूंकि कई स्टेट बोर्डों में टॉप 20 पर्सेंटाइल छात्र में से कई 75 प्रतिशत अंक या 350 नंबर से कम स्कोर करते हैं। इसलिए, टॉप 20 पर्सेंटाइल मानदंड उन उम्मीदवारों की मदद करेगा, जिनके मार्क्स 12वीं बोर्ड में कुल 75 प्रतिशत से कम हैं।

जारी एक आधिकारिक अधिसूचना में, एजेंसी ने कहा कि उसे 12वीं कक्षा की परीक्षा में 75 प्रतिशत अंकों के मानदंड को बदलने के संबंध में छात्रों से कई रिक्वेस्ट मिली थी। बता दें कि एनटीए ने कोविड-19 महामारी को देखते हुए एकेडेमिक सेशन 2023 के मानदंड में 2 साल की ढील देने के बाद इसे लागू किया था।

24 जनवरी से 31 जनवरी के बीच होगी परीक्षा

जेईई परीक्षा का पहला दौर गणतंत्र दिवस यानी 26 जनवरी को छोड़कर, 24 जनवरी से 31 जनवरी के बीच आयोजित किया जाएगा। परीक्षा का दूसरा चरण 6 अप्रैल से 12 अप्रैल, 2023 के बीच आयोजित किया जाएगा। ●

रेल का इंजन कितना होता है पावरफुल

अगर आप भी रेल के पूरे लोकोमोटिव को इंजन समझते है, तो आप यहां गलत है। इंजन सिर्फ लोकोमोटिव का एक हिस्सा है न कि पूरा इंजन। ये दोनों ही चीजे एक-दूसरे से बिलकुल अलग है। बात करें इंजन की ताकत की तो, एक डीजल लोकोमोटिव का एक इंजन 16 सिलेंडर और 32 वॉल्व का होता है। बता दें कि एक सिलेंडर में 10,941 सीसी की क्षमता होती है, तो 16 सिलेंडर में 175,056 सीसी की क्षमता होती है। जानकारी दे दें कि एक सिलेंडर में करीब 150 लीटर डीजल का यूज होता है, जबकि चार सिलेंडर वाली कार में एक यो दो लीटर का यूज होता है। आपको जानकर ये ताज्जुब होगा कि एक डीजल लोकोमोटिव के टैंक में 500-1000 नहीं बल्कि 50 हजार लीटर तक डीजल भरा जा सकता है।

लोकोमोटिव इंजन की कैपेसिटी

बता दें कि सड़क पर चलने वाली कार के इंजन की कैपेसिटी को सीसी में मापा जाता है वहीं, लोकोमोटिव इंजन को लीटर में मापा जाता है। 1 लीटर का मतलब 1 हजार सीसी, तो डीजल इंजन के एक सिलेंडर की कैपेसिटी हुई 10.94 लीटर। वहीं, 16 सिलेंडर की कैपेसिटी 175 लीटर हुई। ट्रेन के हर लोकोमोटिव इंजन की अलग-अलग अपनी कैपेसिटी होती है और उसी हिसाब से इंजन को काम में इस्तेमाल किया जाता है।

लगे होते हैं सुपरचार्जर

एक लोकोमोटिव में सुपरचार्जर भी लगे होते हैं, जिसका वजन कई टन होता है।

जानकारी दे दें कि एक लोकोमोटिव में सुपरचार्जर तक का वजन 15 से 20 टन तक पहुंच सकता है। सुपरचार्जर एक प्रेशर बूस्टिंग यंत्र होता है, जिसका काम इंजन में हवा देना होता है। बता दें कि ये सुपरचार्जर काफी महंगे होते हैं। साथ ही जानकारी दे दें कुछ सुपरचार्जर की कीमत करोड़ों में होती है। ●

संयुक्त कृषि निदेशक ने किया जैविक खेती कार्यक्रम का निरीक्षण

बड़ागांव, सेवापुरी के किसानों से मिलकर की जैविक खेती पर चर्चा

प्रखर दानगंज वाराणसी। मंडल के संयुक्त कृषि निदेशक ने भारत सरकार द्वारा संचालित नमामि गंगे योजनान्तर्गत जनपद में चलाते जा रहे जैविक खेती कार्यक्रम का वृहस्पतिवार को निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संयुक्त कृषि निदेशक डा.आशुतोष मिश्र बड़ागांव व सेवापुरी विकास खण्ड पहुंचे और किसानों से मिलकर जैविक खेती का हाल जाना। वृहस्पतिवार को संयुक्त कृषि निदेशक बड़ागांव के मधुमखियां गांव में गठित जैविक कृषक समूहों के प्रगतिशील किसानों से मिलकर जैविक खेती पर विस्तारपूर्वक चर्चा की।जैविक क्लस्टर के प्रगतिशील किसान रमेश पटेल द्वारा की जा रही मिर्च की खेती को देखा और गांव के किसानों से बिष मुक्त सब्जियों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए जैविक खेती अपनाने की अपील की।उन्होंने कहा कि जैविक खेती को अपनाकर ही बिष मुक्त खाद्यान्न का उत्पादन किया जा सकता है। निरीक्षण के दौरान सहायक विकास अधिकारी दिनेश कुमार सिंह,जैविक खेती के मास्टर ट्रेनर प्रवीण श्रीवास्तव,प्रधान कौशल पटेल,एफपीओ के डायरेक्टर शाश्वत पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।इसी क्रम में संयुक्त कृषि निदेशक डा.आशुतोष मिश्र ने सेवापुरी विकास खण्ड के दौलतिया व गजापुर गांव के जैविक कृषक समूहों के किसानों द्वारा की जा रही जैविक सब्जियों की खेती को देखने किसानों के खेत पर पहुंचे किसानों द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कृषि विभाग से जुड़कर योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। इस दौरान उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी निरूपमा सिंह, मासूम फाउंडेशन के अर्पित सिंह,तकनीकी सहायक कृष्ण कुमार सिंह, सत्यनारायण पटेल, उदयभान सिंह,प्रमोद कुमार आदि उपस्थित रहे।

किसान की बेटी का विधाज्ञान विद्यालय में चयन

प्रखर दानगंज वाराणसी। बुलंदशहर और सीतापुर में संचालित विद्याज्ञान विधालय प्रवेश परीक्षा में क्षेत्र के उमा मेमोरियल पब्लिक स्कूल के दो छात्राओं का चयन सीतापुर कैम्पस के लिए हुआ है जिसमें .भैसा चंदवक जौनपुर की छात्रा आयुषी पाल के पिता किसान है। उमा मेमोरियल पब्लिक स्कूल ढेरही दानगंज की छात्रा आयुषी पाल के पिता खेती करके अपने परिवार चलाते हैं .दुसरी चयनित छात्र सृष्टि सोनी के पिता की दानगंज बाजार स्वर्णकार है । मेधावी विद्यार्थियों के चयन की जानकारी मिलते ही बधाई आने लगे । विधालय के प्रधानाचार्य लक्ष्मी नारायण चौबे,मनोज चौबे, रामेश्वर यादव, विनिता शर्मा,पुनम,शानू सेठ सहित दर्जनों अभिभावक ने मिठाई खिलाकर उत्साह बढाया युग नारायण सेवा समिति के जोनल प्रभारी वरूण गांधी ने बताया कि सीतापुर कैम्पस के लिए दानगंज से उमा मेमोरियल पब्लिक स्कूल ढेरही के दो छात्रों सहित जनपद से 13 छात्रों का चयन हुई है लैबल दो की परीक्षा में छात्र और अभिभावक दोनों को जाना है और दोनों का मौखिक परीक्षा होगी ।

बी.एस.एस. इंटरनेशन स्कूल में तीन दिवसीय स्काउट गाइड का हुआ समापन

शिविर में सरकार के महत्त्वाकांक्षी योजनाओं का लगा 16 स्टॉल

प्रखर केराकत जौनपुर। स्थानीय क्षेत्र के धरौरा गांव में स्थित बी.एस.एस. इंटरनेशन स्कूल में तीन दिवसीय स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर का समापन स्कूल के डारेक्टर बृजेश कुमार यादव की अध्यक्षता में संपन्न किया गया। इस दौरान भारत सरकार की महत्त्वाकांक्षी योजना स्वच्छ भारत अभियान,बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ, भ्रूण हत्या व पर्यावरण समेत शिविर में 16 स्टॉल लगाया गया था। गौरतलब हो कि स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन गुरुवार की सुबह स्कूल के प्रबंधक व पूर्व प्रधानाध्यापक बीरबल यादव ने फीता काटकर किया। समापन पर बच्चो के स्वनिर्मित सामानों के स्टॉल का निरीक्षण करने पहुंचे स्कूल के डारेक्टर बृजेश कुमार यादव ने बच्चों के स्वनिर्मित सामानों को देख व उनके द्वारा बनाये गये स्टॉल के उद्देश्यों के बारे में बच्चों से जानकारी साझा करने के साथ बनाये गये सामानों की खरीदारी भी किये। इस अवसर पर धरौरा ग्राम प्रधानपति शिवपुजन यादव ,प्राथमिक विद्यालय चौकियां प्रधानाध्यापक अखिलेश दुबे, बी.एस.एस. इंटरनेशन स्कूल प्रधानाध्यापक अलाउद्दीन समेत अन्य स्टॉप मौजूद रहे। शिविर में बच्चों को प्रशिक्षण ट्रेनर ज्ञान चौहान, रोहित व नेतेश प्रजापति ने किया।

शिक्षकों के साथ भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं : ज्योति प्रकाश

भ्रष्टाचार में लिप्त लेखा कार्यालय को राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने घेरकर की नारेबाजी

प्रखर वाराणसी। जनपद वाराणसी में चयन वेतन मान विसंगति से प्रभावित एक हजार शिक्षकों की विसंगति को जनवरी 2023 के वेतन में दूर करने के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ से किए गए वादे के विपरीत लेखाधिकारी और उनके हरहुआ ब्लाक के लेखाकार राम सिंह द्वारा दो सौ शिक्षकों से धन का लेन देन करके वेतन की विसंगति दूर करते हुए इसी प्रकरण से प्रभावित आठ सौ शिक्षकों का वेतन विसंगति नहीं दूर करके की गई अनियमितता के विरोध में लेखाधिकारी और उनके कार्यालय का राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ वाराणसी ने प्रदेश संयुक्त मंत्री एवं वाराणसी के जिलाध्यक्ष शशांक कुमार पाण्डेय "शेखर" के नेतृत्व में शिक्षकों की भारी संख्या के साथ घेराव किया तथा शिक्षकों से भ्रष्टाचार करने के लिए वित्त लेखाधिकारी और लेखाकारों के खिलाफ जिला बेसिक शिक्षाधिकारी डा० अरविंद पाठक को ज्ञापन सौंपा।

कार्यकारी जिला अध्यक्ष ज्योति प्रकाश ने बताया कि जनपद के 8 सौ शिक्षकों की वेतन विसंगति दूर न करने तथा दो सौ की विसंगति धन का लेन देन करके दूर करने के आरोप में जब लेखाधिकारी का घेराव हुआ तो लेखाधिकारी ने इन आरोपों पर उनके लेखाकारों द्वारा उन्हें गुमराह करके जनपद के सभी एक हजार शिक्षकों की विसंगति दूर करने के बजाय दो सौ शिक्षकों की वेतन विसंगति दूर किया है जिसको ठीक करते हुए तीन दिन के भीतर जनपद के सभी शेष आठ सौ शिक्षकों की वेतन विसंगति दूर करने का वादा किया।

धरना प्रदर्शन में राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के कार्यकारी जिलाध्यक्ष ज्योति प्रकाश, जिला महामंत्री आनंद कुमार सिंह, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष सत्य प्रकाश पाल, जिला उपाध्यक्ष अनिल सिंह राजन सिंह आशा पाठक गोपेश यादव दीपिका सिंह आदि के साथ सैकड़ों शिक्षक मौजूद रहे।

सरस्वती शांति महाविद्यालय रानीपुर रजमो मे 300 छात्र छात्राओं को वितरण किया गया स्मार्टफोन

प्रखर गंभीरपुर /आजमगढ़। मोहम्मद पुर विकासखंड अंतर्गत सरस्वती शांति महाविद्यालय रानीपुर रजमो बिंद्रा बाजार में आज 12:00 भाजपा जिला अध्यक्ष ध्रुव सिंह के नेतृत्व में 300 छात्र छात्राओं को स्मार्टफोन वितरण किया गया स्मार्टफोन पाकर छात्र-छात्राओं के चेहरे पर खुशी नजर आ रही थी इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष ध्रुव सिंह ने कहा कि सरकार की यह योजना हर छात्र छात्रा तक स्मार्टफोन पहुंचा कर उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ावा देने के लिए इस कदम के लिए सरकार की सराहना किया तथा इस स्मार्टफोन पाने से सारी व्यवस्था घर बैठे छात्र छात्रा कर सकते हैं तमाम बिंदुओं पर चर्चा किया इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक महेश्वर मिश्रा ने उपस्थित सभी लोगों का आभार प्रकट किया और सरकार की इस योजना के लिए धन्यवाद भी दिया इस मौके पर प्राचार्य आशुतोष मिश्रा दिलीप सिंह आलोक सिंह धर्मेंद्र तिवारी राजेंद्र मिश्रा घनश्याम उपाध्याय कार्यक्रम का संचालन प्रभाकर यादव ने किया।

निपुण छात्र हुए सम्मानित

प्रखर पिंडरा वाराणसी। शासन के निर्देश पर परिषदीय विद्यालयों को निपुण विद्यालय घोषित करने के क्रम में प्राथमिक विद्यालय सैरागोपालपुर में कक्षा 1 से 3 की कक्षाओं के 5-5 बच्चों का क्रमशः निपुण एप से आकलन कर उन्हें निपुण छात्र घोषित किया गया। नव वर्ष पर विद्यालय खुलने के बाद से आकलन प्रक्रिया के तहत घोषित कुल 30 निपुण छात्र को शुक्रवार को सम्मानित किया गया। सभी बच्चे उत्साहित थे , उन्हें सभी अध्यापकों द्वारा आशीर्वाद भी दिया गया तथा उनसे अपेक्षा की गई कि अपने अपने कक्षा के अन्य बच्चों को निपुण बनाने में सहयोग प्रदान करेंगे। इस दौरान विद्यालय के बाल संसद की प्रधानमंत्री द्वारा बच्चों को पेंसिल प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक मनोज सिंह, सहायक अध्यापक कौशल, सिद्धनाथ , सुनील, वेद, राहुल , प्रीति, रामाश्रे, नगीना आदि उपस्थित रहे।

आरबी-आईओएस, 2021 पर आरबीआई लोकपाल कानपुर के कार्यालय का हुआ जागरूकता कार्यक्रम

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। आर.बी.आई. लोकपाल कार्यालय, भारतीय रिजर्व बैंक,कानपुर के तत्वाधान में 20 जनवरी शुक्रवार कों एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन सिगरा स्थित एक होटल में किया गया उक्त कार्यक्रम का आयोजन यूनियन बैंक ऑफ इंडिया एवं कोटक महिंद्रा बैंक के सहयोग से किया गया` कार्यक्रम का संचालन एस के दास, मयंक अवस्थी, अभिनव वर्मा, अंशुल यादव और प्रसून सिंह द्वारा किया गयो कार्यक्रम की शुरूआत मयंक अवस्थी (आरबीआई लोकपाल प्रतिनिधि) ने प्रतिभागियों और बैंक अधिकारियों का स्वागत करते हुए की इसके बाद रिजर्व बैंक एकीकृत लोकपाल योजना एवं आरबीआई कम्प्लेंट मैनेजमेंट सिस्टम (सी एम एस) पोर्टल के संबंध में अभिनव वर्मा (आरबीआई लोकपाल प्रतिनिधि) ने प्रतिभागियों को जानकारी दीं उन्होने अपने उद्बोधन में आर.बी.आई. लोकपाल योजना 2021के महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर विस्तृत चर्चा की उन्होने आर.बी.आई. लोकपाल योजना 2021को पूर्व में लागू योजना से तुलना करते हुए इसके फायदे बतायें` इसके उपरांत श्री एस.के. दास, उप.लोकपाल, भारतीय रिजर्व बैंक ने बताया की उक्त योजना के अंतर्गत बैंकों द्वारा दी गई सेवाओं से संबंधित शिकायतों का समाधान निष्पक्ष और शीघ्रता से और न्यूनतम लागत के साथ किया जाता है तथा शिकायत को एक तर्क संगत समय सीमा के अंतर्गत निस्तारित किया जाता है` इसी क्रम में श्री दास ने विभिन्न बैंकिंग सेवाओं जैसे पेंशन, ऋण और अग्रिम, डेबिट कार्ड जैसे विशिष्ट क्षेत्रों पर लेन-देन, नेट बैंकिंग, धोखाधड़ी के माध्यम से निकासी/स्थानांतरण एटीएम, यूपीआई लेन-देन, एफ.डी.आर. संबंधित मुद्दे, केसीसी ऋण, ऋण में सब्सिडी शिक्षाऋण आदि के विषय पर विस्तृत चर्चा की` इस कार्यक्रम में लगभग 150 सहभागियों (बैंकग्राहकों और विद्यार्थियों) ने भाग लिया कार्यक्रम में एक प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन किया गया सहभागियों द्वारा कई सवाल पूछे गए जिनमें श्रोताओं की बैंकिंग समस्याओं पर भी प्रश्न पुछे गये` सभी प्रश्नों के उत्तर उपलोकपाल द्वारा दिये गए विभिन्न प्रश्नों पर बैंक अधिकारियों द्वारा बैंकिंग सेवाओं से संबन्धित प्रश्नों के सन्तोषजनक उत्तर भी दिये गए प्रतिभागियों के बीच आरबी- आईओएस से संबंधित पर्चे और पुस्तिकाएं भी वितरित की गईं तथा कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों से फीडबैक फॉर्म एकत्र किए गए।

तृतीय स्व. रामाज्ञा सिंह स्मृति विन्टर कैरम लीग टूर्नामेंट प्रारम्भ

प्रखर वाराणसी। वाराणसी जिला कैरम एसोसिएशन और सिंह सर्वार्थ सिध्द ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय तृतीय स्वर्गीय रामाज्ञा सिंह स्मृति तीन दिवसीय शीतकालीन कैरम विन्टर लीग प्रतियोगिता की सिंह निकेतन मलदहिया में भव्य उद्घाटन के साथ शुरूआत हुई। प्रतियोगिता का उद्घाटन करते हुये उत्तर प्रदेश पूर्व हेल्थ डायरक्टर और उत्तर प्रदेश कैरम एसोसिएशन की वाइस प्रेसिडेंट, डाक्टर अंशू सिंह ने कहा कि देश में जब कभीं भी कैरम खेल के उन्नयन, प्रचार प्रसार तथा इस खेल के खिलाड़ियों के कल्याण की कहानी लिखी जायेगी तो वाराणसी कैरम एसोसिएशन और उत्तर प्रदेश कैरम एसोसिएशन के साथ साथ जीवन दीप शिक्षण संस्थान के महत्तम योगदान को कोई भुला नहीं पायेगा ,हमें प्रदेश कैरम एसोसिएशन का हिस्सा होने पर गर्व है ।उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करते हुये उत्तर प्रदेश कैरम एसोसिएशन के अध्यक्ष बैजनाथ सिंह ने कहा की उत्तर प्रदेश कैरम एसोसिएशन, वाराणसी कैरम एसोसिएशन और जीवनदीप शिक्षण संस्थान को सर्वाधिक नेशनल टूनार्मेंट कराने का अद्भुत गौरव प्राप्त है जो देश में किसी भी

स्टेट एसोसिएशन के पास नहीं। अतिथियों का स्वागत आयोजन सचिव अश्वनी चक्रवाल ने संचालन प्रदेश के संयुक्त सचिव अशोक कुमार सिंह ने और धन्यवाद प्रधान निर्णायक श्री रमेश कुमार वर्मा ने किया। उद्घाटन समारोह में अशोक सिंह, रेणुकाराय,विशेष रूप से उपस्थित रहे ।

समाचार देने तक खेले गये मैचों के परिणाम इस प्रकार रहे । महिला वर्ग के मुख्य लीग मैच में = अंजलि केशरी ने दीपाली यादव को 25=5,25=6 से,रिशिता केशरी नेअरबिया खानम को 25=4,25=7 से , सौम्या यादव ने सानिया को 25=0,25=5 से, शिखा सिंह ने भी अलविया खानम को 25=9,25=2 से, रितम्भरा ने हरियाली सिंह को 23=4,5=25 और 25=3 से पराजित कर लीग में पूरा अंक अर्जित किया । जब कि पुरूष वर्ग के क्वालीफाई राउन्ड में= धीरज सोनी ने मोहम्मद रूसी को 12=2,13=1 से, प्रियान्शू सिंह ने अमन शुक्ला को18=2'17=1 से, तेजस मिश्रा ने फराज वसीम को 18=5,6=8और 16=4 से, प्रखर जायसवाल ने आर्या मिश्रा को 18=3और 16=4 से,अरविन्द त्रिवेदी ने अंकित जायसवाल को15=4,0=12 और 14=0से पराजित कर अगले चक में प्रवेश किया । मैचों का संचालन प्रधान निर्णायक रमेश वर्मा और सहायक प्रधान निर्णायक रवि आर्या के कुशल नेतृत्व में अम्पायर सर्वश्री रश्री प्रसाद , संदीप यादव , अभिषेक विश्वकर्मा, श्री प्रसाद, झुनझुन गुप्त, गौरव गुप्त, विनोद यादव, शिवदयाल यादव,कृष्ण दयाल यादव , अंजलि गुप्ता, रिताम्भरा ने किया ।

कुटीर चक्के में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

प्रखर पराऊगंज जौनपुर। ग्राम संकुल स्तरीय खेलकूद समागम नेहरू युवा केंद्र जौनपुर युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा खो-खो, बालीबाल 400 मीटर दौड़ बालक एवं 100 मीटर दौड़ बालिका एवं ऊंची कूद प्रतियोगिता का आयोजन कुटीर पीजी कॉलेज चक्के के क्रीड़ांगन मे शुक्रवार को आयोजित हुआ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान सरैया अंजना देवी एवं अध्यक्षता प्राचार्य मेजर डॉक्टर रमेश मणि त्रिपाठी ने किया। विजेता टीम को मुख्य अतिथि द्वारा खिलाड़ियों को पुरस्कृत करते हुए कहा कि बेटियों को जिस भी क्षेत्र में मौका दिया जाता है वे अपनी कामयाबी का परचम लहराती हैं। बेटियों में गजब की इच्छा शक्ति होती है, जरूरत है केवल अवसर की। मौका मिलने पर वह अंतरिक्ष तक का सफर पूरा कर लेती हैं। बेटियां आज के दौर में अपने मेहनत से हर क्षेत्र में परचम लहरा रही हैं विजेता खिलाड़ियों साधुवाद देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहां की भारत सरकार द्वारा ग्राम संकुल स्तरीय खेलकूद समागम का आयोजन ग्रामीण क्षेत्र में निरंतर आयोजित होने पर ग्रामीण अंचल के साधन विहीन बालक एवं बालिकाएं अपनी प्रतिभा को राष्ट्रीय पटल पर निखार कर राष्ट्र का नाम रोशन करेंगे इस अवसर पर प्रोफेसर डॉ राघवेंद्र कुमार पांडे प्रभारी श्रीमती पूनम धर्मेंद्र दुबे प्रधानाध्यापक सिंह डॉ अवनीश कुमार दुबे कृष्ण प्रताप दुबे पूर्व ग्राम प्रधान अमरनाथ यादव कृष्ण कुमार मिश्र समेत आदि लोग मौजूद रहे।प्रतियोगिता राम सिंह यादव अध्यक्ष नेहरु युवा मंडल की संरक्षकत्व में आयोजित हुआ।

संक्षिप्त खबरें

लोलार्कादित्य महादेव का प्रथम अन्नकूट श्रृंगार 22 जनवरी को

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। काशी के लोलार्कादित्य महादेव का प्रथम अन्नकूट श्रृंगार महोत्सव माघ सुदी प्रतिपदा 22 जनवरी को होगा मंदिर के महंत पं. शिवप्रसाद पांडेय लिंगिया महाराज ने बताया कि काशी के इस पावन मंदिर में अवसर विशेष पर विविध अनुष्ठान तो किए जाते हैं किंतु अन्नकूट श्रृंगार का यह पहला अवसर है इससे पूर्व मंदिर में इस प्रकार के अनुष्ठान नहीं किए गए थे उन्होंने बताया कि विश्व कल्याण एवं भारत के विश्व गुरु बनने की कामना से यह अनुष्ठान किया जा रहा है। 22 जनवरी को पूजन अर्चन का कार्य ब्रह्म मुहूर्त में आरंभ हो जाएगा। बाबा को पंचामृत स्नान कराने के उपरांत विभिन्न प्रकार के मौसमी पुष्पों एवं पत्तियों से उनका भव्य श्रृंगार किया जाएगा। उन्हें स्वर्ण एवं रजत आभूषण धारण कराए जाएंगे भव्य श्रृंगार के उपरांत सुबह 6:00 बजे बाबा की मंगला आरती की जाएगी आरती के उपरांत भक्तों के लिए अन्नकूट का दर्शन सुलभ होगा कार्यक्रम संयोजक पंडित अविनाश पांडेय सुद्दू महाराज ने बताया कि इस अवसर विशेष पर सायं काल 4:00 से 6:00 बजे तक सुंदरकांड का संगीतमय पाठ होगा` सायंकाल 7:00 बजे बाबा की विराट आरती उतारी जाएगी। अन्नकूट श्रृंगार के दर्शन भक्तों को रात्रि 9:00 बजे तक सुलभ रहेंगे।

कुलपति ने किया विभागों और संकायों का औचक निरीक्षण

प्रखर वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में बृहस्पतिवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आनंद कुमार त्यागी द्वारा विश्वविद्यालय के प्रशासनिक विभागों व संकायों का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान कुलपति जी द्वारा उपस्थिति पंजीयन रजिस्टर की जांच की गई तथा अनुपस्थित कर्मचारियों व अधिकारियों पर कार्रवाई की गई। कुलपति जी ने सभी विभागों व संकायों को हिदायत देते हुए कहा विश्वविद्यालय के सभी संकाय एवं प्रशासनिक भवन के अधिकारी एवं कर्मचारी शिक्षक शाम 5:00 बजे तक अपने विभाग एवं संकाय में उपस्थित रहेंगे अन्यथा विश्वविद्यालय के नियमानुसार उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

जनसंघ काल के भाजपा नेता का निधन

प्रखर वाराणसी। जनसंघ काल से भारतीय जनता पार्टी तक सफर करते हुए खोचवॉ ग्राम निवासी रामजी पाण्डेय जी का कल हृदय गति रुकने के कारण निधन हो गया । निधन की सूचना मिलते ही भाजपा नेताओं का उनके आवास खोचवा में जाकर पार्टी के झण्डे में उनकी अंतिम विदाई दी । इस दौरान मण्डल अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार बिन्द , पूर्व जिला मंत्री, मछुआरा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक बच्चनराम बिन्द, शक्ति केन्द्र संयोजक अशोक सिंह, महामंत्री अरूण तिवारी, मण्डल अध्यक्ष यथीश तिवारी, मण्डल महामंत्री सतेन्द्र सिंह व मण्डल उपाध्यक्ष अनिल पाण्डेय, चन्द्रपान्डे के साथ इस दुख की घड़ी में सम्मिलित हुए ।

विद्यालयों को निपुण लक्ष्य प्राप्त कराने पर हुई विस्तृत चर्चा

प्रखर वाराणसी। प्राथमिक विद्यालय गणेशपुर में शिक्षक संकुल की मासिक बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में खंड शिक्षा अधिकारी ने निपूर्ण लक्ष्य प्राप्त करने का दिशा निर्देश दिया। बैठक में प्रतिभागी शिक्षक व शिक्षिकाओं द्वारा अपने अपने विचारों को प्रस्तुत किया गया। अंत में कार्यक्रम के बारे में ए.आर.पी. विमल सिंह के द्वारा निपुण से संबंधित जानकारी देते हुए बैठक को संपन्न किया गया। बैठक में प्रतिभाग करते हुए प्राथमिक विद्यालय गणेशपुर विधानसभा हरहुआ के सहायक अध्यापक अनिल सिंह ने अपने विद्यालय को फरवरी 2023 तक निपुण लक्ष्य प्राप्त करा देने का आश्वासन दिया।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं